हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 230, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 21 फरवरी, 2024 दिन बुधवार | गाजीपुर/वाराणसी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी का कायाकल्प कर दिया : गोयल

उत्तर प्रदेश भारत की अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने में बड़ा योगदान देगा

लखनऊ। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीएम योगी ने सात-आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश का चित्र बदला, यहां की दिशा और दशा भी बदली। आज सामाजिक न्याय दिवस है। यह तब तक अधूरी है, जब तक समाज के हर वर्ग व व्यक्ति तक विकास न पहुंचे। योगी आदित्यनाथ ने इन सात-आठ वर्षों में यूपी का कायाकल्प किया है, लेकिन यह एक वर्ष उपलब्धियों भरा रहा है। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व उत्तर प्रदेश और लखनऊ के बारे में बातचीत कर रहा है। उत्तर प्रदेश ने सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व व पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तेज गति से बदलाव का आनंद लिया है। उत्तर प्रदेश अब रुकने और थमने वाला नहीं है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश-निवेश प्रदेश के तहत मेन हैंगर में आयोजित एफडीआई कॉन्क्लेव 'यूपी-इमर्जिंग डेस्टिनेशन फॉर फॉरेन इनवेस्टमेंट इन इंडिया' को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई भी निवेशक जब निवेश करने का निर्णय लेता है तो उसके सामने सबसे बड़ी शर्त होती है विश्वास। निवेशक तभी आता है जब उसे नेतृत्व, व्यवस्था और भविष्य पर विश्वास हो। जब यह तीनों विश्वास निवेशक को मिलते हैं तो वह प्रदेश में आने को तैयार होता है। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और 25 करोड़ लोगों को भी आत्मविश्वास मिलता है कि हमारा भी भविष्य उज्ज्वल होगा। गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश दुनिया के सामने मिसाल के तौर पर आत्मविश्वास से भरे हुए 140 करोड़ लोग निकल पड़े हैं तो सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी का एक-एक व्यक्ति आत्मविश्वास के साथ कर्तव्य को निभा रहा है। यूपी में सुशासन देखने को मिलता है। गरीब कल्याण, नए इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने में केंद्र व राज्य सरकार डबल इंजन बनकर तेज गति दे रही है। अब उत्तर प्रदेश रुकने और थमने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में विश्व भर में भारत व यूपी की प्रसिद्धि हो रही है। आज पूरा विश्व भारत की तरफ देखता है कि भारत विश्व की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। वैसे ही देश देखता है कि उत्तर प्रदेश भारत की अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने में बड़ा योगदान देगा। गोयल ने कहा कि जब निवेश की बात होती है तो देश के साथ जुड़े तीन-चार प्रमुख विषयों पर निवेशक का ध्यान आकर्षित होता है। वो देखता है कि देश में किस प्रकार की अर्थव्यवस्था है। क्या देश मजबूत स्थिति में है। क्या देश की अर्थव्यवस्था अच्छे तरीके से संभाली जा रही है। देश के पास पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध होंगी या नहीं। उत्तर प्रदेश की व्यवस्था देखें तो 2017 के पहले यहां की कानून व्यवस्था से भलीभांति सभी अवगत हैं। 2017 के पहले भेदभाव की राजनीति थी, व्यवस्थाएं चरमरा रही थीं। राज्य की अर्थव्यवस्था कमजोर थी, जिसके कारण नया निवेश, नया उद्योग न के बराबर थे। चीनी मिलें बंद पड़ी थीं। किसानों की हालत बहुत कमजोर हो गई थी। इंफ्रास्ट्रक्चर में वृद्धि नहीं हो रही थी। रेलवे प्रोजेक्ट ठप पड़े थे। इनलैंड वाटर, मल्टीलेवल ट्रांसपोर्ट फैसिलिटी, एयरपोर्ट आदि व्यवस्थाएं कमजोर स्थिति में थीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 में मोदी ने देश व 2017 में योगी ने उप्र की कमान संभाली। उसके बाद के रिफॉर्म हुए। केंद्र व राज्य सरकार ने तालमेल बैठाकर यूपी का कायाकल्प किया। कोविड की महामारी जैसी गंभीर परिस्थिति में मोदी-योगी के नेतृत्व में उप्र ने अपने लोगों का ध्यान रखा। उप्र ने इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को रुकने नहीं दिया। परिस्थितियों व चुनौती को उन्होंने अवसर में बदला। यूपी में आज छह एक्सप्रेसवे कोने-कोने को कनेक्ट करते हैं।

केंद्र पर जमकर बरसे राहुल गांधी

नई दिल्ली। पंजाब और हरियाणा के किसान दिल्ली कूच करने को लेकर बॉर्डर पर अड़े हुए हैं। पुलिस लगातार किसानों को वापस धकेलने की कोशिश में लगी हुई है। हर तरफ हालात बेकाबू होते नजर आ रहे हैं। किसान अपनी मांगों को लेकर दिल्ली कूच की कोशिश में हैं। ऐसे में कांग्रेस ने किसानों की मांगों का समर्थन किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी से भारत का किसान बजट पर बोझ नहीं बल्कि जीडीपी ग्रोथ का सूत्रधार बनेगा। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि जब से कांग्रेस ने एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का संकल्प लिया है, तब से मोदी के प्रचारतंत्र और मित्र मीडिया ने एमएसपी पर झूठ की झड़ी लगा दी है। उन्होंने आगे कहा कि यह झूठ है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी दे पाना भारत सरकार के बजट में संभव नहीं है। बल्कि सच यह है कि क्रिसिल के अनुसार 2022-23 में किसान को एमएसपी देने में सरकार पर 21,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार आता, जो कुल बजट का मात्र 0.4 फीसदी है। उन्होंने कहा कि जिस देश में 14 लाख करोड़ रुपये के बैंक लोन माफ कर दिए गए हों, 1.8 लाख करोड़ रुपये कॉर्पोरेट टैक्स में छूट दी गई हो, वहां किसान पर थोड़ा सा खर्च भी इनकी आंखों को क्यों खटक रहा है?

पहले बम-बंदूक व अपहरण से जुड़ी खबरें आती थीं, अब विकसित हो रहा जम्मू-कश्मीर : मोदी

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जम्मू के एमए स्टेडियम में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने साढ़े 32 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने कहा पिछली सरकारों ने कभी हमारे सैनिकों का सम्मान नहीं किया। वन रैंक, वन पेंशन को लेकर कांग्रेस सरकार पिछले 40 साल तक हमारे सैनिकों से झूठ बोलती रही। यह भाजपा ही है जो ओआरओपी लेकर आई है। पीएम ने कहा कि दिल्ली-अमृतसर-कटड़ा एक्सप्रेस वे का काम तेजी से जारी है। इसके बनने पर जम्मू कश्मीर पहुंचना और भी आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया जम्मू कश्मीर की सुंदरता, परंपरा, मेहमाननवाजीके लिए यहां आने के आतुर हैं। जम्मू कश्मीर में देशी और विदेश पर्यटकों की संख्या में भारी उछाल आया है। पिछले साल जम्मू कश्मीर में दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए। पिछले साल बीते एक दशक में मां वैष्णो देवी आने वाले भक्तों की सबसे ज्यादा दर्ज की गई है। कश्मीर की वादियों में आने वाले स्विट्जरलैंड जाना भूल जाएंगे। कश्मीर में कभी कभी बंद और हड़ताल का सन्नाटा रहता था। लेकिन अब रातों में चहल-पहल दिखाई देती है। पीएम मोदी ने कहा कि आज श्रीनगर से संगलदान और संगलदान से बारामुला के लिए ट्रेन चली है। वो दिन दूर नहीं जब देशवासी ट्रेन में बैठकर कश्मीर पहुंचेंगे। आज कश्मीर को पहली इल्ट्रिक ट्रेन मिली है। अब जम्मू कश्मीर को दो वंदे भारत ट्रेन की सुविधा दी गई है। पीएम मोदी ने कहा कि प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी दीवार अनुच्छेद 370 की थी। इस दीवार को भाजपा की सरकार ने ढहा दिया है। पीएम ने जनता से आह्वान किया कि इस लोकसभा के चुनाव में भाजपा को 370 सीटें दीजिए और एनडीए को 400 पार कर दिजिए। पीएम मोदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में एक वो दिन थे जब स्कूल जलाए जाते थे, एक आज के दिन आए हैं जब स्कूल सजाए जाते हैं। पहले गंभीर बीमारी के इलाज के लिए दिल्ली जाना पड़ता था। लेकिन अब जम्मू में ही एम्स बनकर तैयार हो गया है। पीएम मोदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर परिवारवाद का शिकार हुआ। अब प्रदेश परिवाद के चंगुल से बाहर निकल रहा है। कहा, जम्मू-कश्मीर को दशकों तक वंशवादी राजनीति का दंश झेलना पड़ा। उन्हें केवल अपने परिवारों की चिंता रही। जनता के हितों, जनता के परिवारों की नहीं...मुझे खुशी है कि जम्मू-कश्मीर को इस वंशवादी राजनीति से आजादी मिल रही है। पीएम मोदी ने कहा कि कभी बम, बंदूक, अपहरण, अलगाव से जुड़ी खबरें जम्मू कश्मीर से आती थी। लेकिन अब जम्मू कश्मीर विकसित होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। आज जम्मू-कश्मीर विकसित होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। अब हमने विकसित जम्मू-कश्मीर का संकल्प लिया है। मुझे आप पर विश्वास है कि हम विकसित जम्मू-कश्मीर बनाकर रहेंगे। 70-70 साल से अधूरे आपके सपने आने वाले कुछ ही वर्षों में मोदी पूरे करके देगा।

स्वामी प्रसाद ने सपा की प्राथमिक सदस्यता और एमएलसी पद से दिया इस्तीफा, बोले- अपनी पार्टी के लिए काम करूंगा

लखनऊ। सपा से नाराज चल रहे स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के साथ ही विधान परिषद सदस्य के पद से भी इस्तीफा दे दिया। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेजे गए पत्र में कहा कि 13 फरवरी को भेजे गए पत्र पर वार्ता के लिए पहल न करने पर इस्तीफा दे रहा हूं। स्वामी प्रसाद ने विधान परिषद के सभापति को पत्र में लिखा कि मैं समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में विधानसभा, उत्तर प्रदेश निर्वाचन क्षेत्र से सदस्य, विधान परिषद उत्तर प्रदेश निर्वाचित हुआ हूं। चूंकि मैंने समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है इसलिए नैतिकता के आधार पर विधान परिषद उत्तर प्रदेश की सदस्यता से भी त्यागपत्र दे रहा हूं। इस्तीफा देने के बाद मीडिया से बातचीत में स्वामी प्रसाद ने कहा कि अखिलेश यादव रास्ते से भटक गए हैं। वो खुद को सेकुलर कहते हैं पर ऐसा लगता है कि वह मनुवादी व्यवस्था का समर्थन करते हैं। हमारा उनसे मतभेद है, मनभेद नहीं है। जब भी वह सही रास्ते पर आएंगे। मैं उनका स्वागत करूंगा। मैंने कभी भी विचारधारा से समझौता नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ऐसे सेकुलर हैं कि पार्टी कार्यालय में पूजा करवा रहे हैं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने कभी संविधान की भावना के विपरीत व्यवहार नहीं किया। सपा वाले पार्टी कार्यालय में पूजा कर रहे है। उन्होंने प्रोफेसर राम गोपाल यादव पर हमलावर होते हुए कहा कि सपा की खटिया खड़ी करने के लिए घर में ही लोग मौजूद हैं। दूसरों की क्या जरूरत है। उनकी भाषा देखिए क्या ये एक राजनीतिक व्यक्ति की भाषा है। उन्होंने कहा कि अब वह खुद की पार्टी का एलान करेंगे और समाज के दलितों, पिछड़ों व आदिवासियों के लिए काम करेंगे। इंडिया गठबंधन में शामिल होने पर कहा कि जैसे भी होगा गठबंधन को मजबूत बनाने पर काम करूंगा।

स्मृति ईरानी के सामने फूट-फूट कर रोई महिला, बोलीं- मेरे पीएम आवास को बुलडोजर से गिरा दिया गया...

अमेठी। सोमवार की देर रात जन संवाद यात्रा के तहत चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुन रहीं सांसद स्मृति ईरानी के सामने एक महिला फूट फूट कर रोई। महिला का आरोप था प्रशासन ने उसके प्रधानमंत्री आवास को बुलडोजर से गिरवा दिया। महिला की शिकायत पर स्मृति ने मामले की जांच कर कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। दरअसल ये पूरा मामला भादर ब्लाक के खाझा गांव का है। सोमवार की देर रात करीब 10 बजे सांसद स्मृति ईरानी जन संवाद यात्रा के तहत चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुन रही थीं। इसी बीच एक महिला पहुंची और फूट-फूट कर रोने लगी। महिला का आरोप था कि 2023 में उसे प्रधानमंत्री आवास मिला था जो बनकर तैयार हो गया था। 6 फरवरी को लेखपाल समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और बुलडोजर से आवास को गिरवा दिया। महिला की शिकायत पर सांसद स्मृति ईरानी ने तत्काल मौके पर मौजूद सीडीओ सूरज पटेल को पूरे मामले की जांच कर कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। सांसद स्मृति ईरानी ने महिला से कहा कि आप लिखित शिकायत सीडीओ को दीजिये और सीडीओ मामले की जांच कर कार्यवाही करेंगे। इतना ही नही सांसद ने कहा कि जांच रिपोर्ट अधिकारी उन्हें भी देंगे। भादर ब्लाक के भेंवई गांव की

रहने वाली संध्या पांडेय को 2023 में प्रधानमंत्री आवास मिला था जिसके बाद संध्या ने उसे बनवाकर तैयार करा लिया था। 6 फरवरी को लेखपाल अरविंद सिंह, कानूनगो राजकुमार सिंह और नायाब तहसीलदार परशुराम मौके पर पहुंचे और बिना किसी पूर्व सूचना के बुलडोजर से आवास को गिरवा दिया। आवास गिराए जाने के दौरान महिला रोती गिड़गिड़ाती रही लेकिन अधिकारियों ने उसकी एक न सुनी।

विपक्षी गठबंधन को सबसे बड़ा झटका: यूपी में सपा व कांग्रेस के बीच नहीं होगा गठबंधन, दोनों अलग-अलग लड़ेंगे चुनाव

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बने विपक्षी गठबंधन को सबसे बड़ा झटका लगा है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं होगा। सूत्रों के हवाले से खबर है कि सपा और कांग्रेस के बीच सीटों को लेकर सहमति नहीं बन पाई है। सोमवार को समाजवादी पार्टी ने गठबंधन के तहत अब 17 सीटों पर कांग्रेस को अपने प्रत्याशी उतारने का प्रस्ताव दिया था।

इससे पहले सपा ने कांग्रेस को 11 सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया था, जिसे लेकर दोनों दलों के बीच बयानबाजी शुरू हो गई थी। सोमवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस के लिए 17 लोकसभा सीटें छोड़ने का फैसला लिया। सूत्रों के मुताबिक, सपा ने कांग्रेस को अमेठी, रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर, कैसरगंज, वाराणसी, अमरोहा, सहारनपुर, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, फतेहपुर सीकरी, कानपुर, हाथरस, झांसी, महराजगंज और बागपत सीट दी थी।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, सपा की तरफ से 17 सीटों का प्रस्ताव मिला है, हालांकि पार्टी की ओर से इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई। मालूम रहे कि इससे पहले 11 सीटों का प्रस्ताव देने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने असंतोष जताया था। जिसके बाद सपा ने नए सिरे से सीटों का चयन कर सूची कांग्रेस नेतृत्व को भेजी थी। सपा ने सोमवार को लोकसभा चुनाव के लिए अपनी दूसरी सूची जारी कर दी। इसमें मुजफ्फरनगर से हरेंद्र मलिक, आंवला से नीरज मौर्या, शाहजहांपुर से राजेश कश्यप, हरदोई से ऊषा वर्मा, मिश्रिख से रामपाल राजवंशी, मोहनलालगंज से आरके चौधरी, प्रतापगढ़ से डॉ. एसपी सिंह पटेल, बहराइच से रमेश गौतम, गोंडा से श्रेया वर्मा, गाजीपुर से अफजाल अंसारी और चंदौली से वीरेंद्र सिंह को उम्मीदवार घोषित किया है।

महाराष्ट्र: मराठा आरक्षण को लेकर बड़ा फैसला, विस से शिक्षा और नौकरियों में 10% कोटा देने का बिल पास

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में मराठा आरक्षण बिल पारित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को इसे पेश किया था। इससे पहले विधानमंडल के विशेष सत्र से पहले महाराष्ट्र कैबिनेट ने शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 10% मराठा आरक्षण के बिल के मसौदे को मंजूरी दे दी थी। दरअसल, मराठा आरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार ने महाराष्ट्र विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाया था। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार भी मुख्यमंत्री के साथ मौजूद थे। सरकार का मकसद है कि अन्य समुदायों के लाभों को प्रभावित किए बिना मराठा समुदाय को स्थायी आरक्षण प्रदान किया जाए। महाराष्ट्र राज्य सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा विधेयक 2024 में प्रस्ताव दिया गया है कि आरक्षण लागू होने के 10 साल बाद इसकी समीक्षा की जा सकती है। विधेयक में बताया गया कि राज्य में मराठा समुदाय की आबादी 28 प्रतिशत है। गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले कुल मराठा परिवारों में से 21.22 प्रतिशत के पास पीले राशन कार्ड हैं। यह राज्य के औसत 17.4 प्रतिशत से

अधिक है। जनवरी-फरवरी के बीच किए गए सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि मराठा समुदाय के 84 फीसदी परिवार उन्नत श्रेणी में नहीं आते हैं। ऐसे में वे आरक्षण के लिए पात्र हैं। विधेयक में यह भी कहा गया कि महाराष्ट्र में कुल आत्महत्या करने वाले किसानों में से 94 फीसदी मराठा परिवारों से हैं।

'पश्चिमी देशों ने लंबे समय तक पाकिस्तान को हथियार दिए', रूस से रक्षा सहयोग पर एस. जयशंकर की दो टूक

म्यूनिख। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के साथ रक्षा और व्यापार सहयोग पर जोर दिया। साथ ही कहा कि कई पश्चिमी देश पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति करते थे, भारत को नहीं। हालांकि, पिछले एक दशक में यह प्रवृत्ति बदल गई है। जयशंकर ने कहा, 'भंडार के मामले में हां यह सच है कि कई पश्चिमी देशों ने लंबे समय से पाकिस्तान को आपूर्ति करना पसंद किया है और भारत को नहीं। हालांकि, पिछले 10-15 सालों में अमेरिका के साथ संबंधों में बदलाव आया है। नए आपूर्तिकर्ता के रूप में अमेरिका, रूस, फ्रांस और इस्राइल के साथ विविधता आई है।' बता दें, विदेश मंत्री जयशंकर फिलहाल जर्मनी के म्यूनिख में हैं। यहां वह म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंचे हुए हैं। इस दौरान उन्होंने इंटरव्यू में दुनिया में आपूर्ति श्रृंखलाओं के ढांचागत असंतुलन पर प्रकाश डाला और कहा कि दुनिया का आर्थिक मॉडल अस्थिर और अनुचित है। उन्होंने कहा, 'दुनिया ने एक आर्थिक मॉडल बनाया है जो अस्थिर और अनुचित है। वैश्वीकरण के नाम पर हमने दुनिया में अति-एकाग्रता देखी है। कई देशों की

अर्थव्यवस्थाओं को खोखला कर दिया गया है।' मंत्री जयशंकर ने आगे कहा कि बहुत से देश बुनियादी चीजों के लिए भी दूसरों पर निर्भर हैं। हालांकि हम समस्या पर तुरंत ध्यान देते हैं। जैसे जब कोविड-19 आया था। वहीं, अब जलवायु परिवर्तन और लाल सागर में बढ़ रहे हमले समस्याएं हैं। परेशानी कितनी ज्यादा है यह कहना इतना आसान नहीं है, लेकिन इन पर काम किया जाए तो सब ठीक हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा, 'वैश्विक व्यवस्था इस समय कई परेशानियों का सामना कर रही है। कोविड, यूक्रेन में युद्ध, गाजा में युद्ध, अफगानिस्तान से नाटो की वापसी और बदलती जलवायु जैसी घटनाएं दुनियाभर में हो रही हैं। यह सब हमारे लिए चुनौती है। हालांकि, यह केवल अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूत करने के बारे में नहीं है, बल्कि इस व्यवस्था को बदलने के बारे में भी है। इसे कौन आकार देता है और किस आधार पर? अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को और विकसित होना चाहिए।' विदेश मंत्री ने आगे कहा कि भारत और रूस ने दशकों से एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी बनाए रखी है, जो ऐतिहासिक संबंधों और साझा हितों पर आधारित है। रूसी समाचार एजेंसी के अनुसार, इस संबंध के केंद्र में व्यापक रक्षा सहयोग है, जिसमें रूस भारत को सैन्य उपकरणों के एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में सेवा दे रहा है। हाल ही में, ऊर्जा सहयोग द्विपक्षीय संबंधों का एक और मजबूत स्तंभ बन गया है। भारत का सबसे बड़ा कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र, मॉस्को द्वारा प्रदान की गई तकनीकी सहायता से तमिलनाडु में बनाया जा रहा है। आरटी के अनुसार, परमाणु प्रौद्योगिकी में रूस की विशेषज्ञता भारत की क्षमताओं को आगे बढ़ाने में सहायक रही है, जो पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी को बढ़ावा देती है।

हाईकोर्ट के दखल के बाद संदेशखाली पहुंचे सुवेंदु और शंकर घोष; पीड़ितों का दर्द साझा किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित गांव संदेशखाली को लेकर सियासी माहौल गरमाया हुआ है। सत्तापक्ष और विपक्ष इस मामले में लगातार एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। इस बीच भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी और शंकर घोष संदेशखाली पहुंचे और पीड़ितों का दर्द साझा कर उनका हालचाल जाना। हालांकि, यहां पहुंचने के लिए उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ी और कलकत्ता हाईकोर्ट के दखल के बाद पुलिस ने उन्हें हिंसाग्रस्त इलाके के दौरे की इजाजत दी। इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट से इजाजत मिलने के बाद भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी अन्य पार्टी नेताओं के साथ हिंसाग्रस्त इलाके के लिए रवाना हुए, लेकिन उन्हें बीच रास्ते ही रोक दिया गया। इसके विरोध में वे वहीं धरने पर बैठ गए। इस दौरान भाजपा नेता ने कहा कि पुलिस कह रही है कि राज्य सरकार डिवीजन बेंच में चली गई है और आपका आदेश अब लागू नहीं होगा। संविधान का मुख्य स्तंभ न्यायपालिका है। ममता पुलिस कलकत्ता हाईकोर्ट आदेश को चुनौती दे रही है। मैं उन्हें दोबारा सोचने के लिए एक घंटे का समय देता हूं, उसके बाद मैं कलकत्ता उच्च न्यायालय जाऊंगा। इस बीच हाईकोर्ट की डिविजनल बेंच ने सुवेंदु को एक बार फिर संदेशखाली जाने की इजाजत दे दी। कोर्ट ने सुवेंदु को सुरक्षाकर्मियों के साथ हिंसाग्रस्त इलाके का दौरा करने को कहा। हाईकोर्ट ने कहा कि वे संदेशखाली जा सकते हैं, लेकिन सीआरपीसी की धारा 144 के कारण वे किसी भी पार्टी कार्यकर्ता या समर्थक को अपने साथ नहीं ले जा सकते। कोर्ट ने सुवेंदु के साथ किसी एक अन्य व्यक्ति को भी साथ ले जाने की अनुमति दी। कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। कोर्ट ने हैरानी जताई कि अब तक शाहजहां शेख को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा सका है। कोर्ट के फैसले के बाद सुवेंदु और शंकर घोष संदेशखाली पहुंचे।

संपादकीय

श्वेत समृद्धि की ओर

ऐसे वक्त में जब पंजाब में किसान आंदोलनकारी सभी फसलों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं, हिमाचल सरकार ने राज्य के दुग्ध उत्पादकों को बिना मांगे एमएसपी की सुविधा प्रदान कर दी है। निस्संदेह, राज्य सरकार की यह अनुकरणीय पहल है और देश के विभिन्न राज्यों को इस पहल का संज्ञान लेना चाहिए। निस्संदेह, दूध को एमएसपी के दायरे में लाने वाला हिमाचल देश का पहला राज्य है। दरअसल, देश-प्रदेश में दुग्ध उत्पादकों का कोई संगठित समूह न होने के कारण उनकी मांगों व जरूरतों को गंभीरता से नहीं लिया गया है। उल्लेखनीय है कि शनिवार को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश करते समय यह घोषणा की। वित्त मंत्री का दायित्व निभाते हुए सुक्खू ने घोषणा की कि राज्य में गाय के दूध के दाम में सात रुपये की वृद्धि करके उसका न्यूनतम दाम 45 रुपये प्रति लीटर किया गया है। वहीं भैंस के दूध के दाम में 17 रुपये की वृद्धि करके न्यूनतम दाम 55 रुपये प्रति लीटर तय किया गया है। निश्चित रूप से राज्य सरकार के इस कदम से दुग्ध उत्पादकों को संबल मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। इसके अलावा सुक्खू सरकार ने घोषणा की कि राज्य में दुग्ध सहकारी समितियों की देनदारियों को भी माफ कर दिया जाएगा। यह कदम सहकारी आंदोलन से जुड़े दुग्ध उत्पादकों के लिये यह राहतकारी कदम होगा। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार ने घोषणा की कि दुग्ध खरीद तथा प्रसंस्करण ढांचे को मजबूत करने के लिये डेढ़ सौ करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। इसके साथ ही राज्य सरकार ने पशुपालन करने वाले किसानों को संबल देने के लिये प्राकृतिक खेती योजना की भी घोषणा की। जिसके तहत 36 हजार किसानों को इस तरह की खेती से जोड़ने की बात कही। यह प्रयास डेयरी उद्योग से जुड़े किसानों को अतिरिक्त आय का जरिया उपलब्ध करायेगा। केंद्र सरकार द्वारा पिछले वर्ष की गई घोषणा के अनुसार भारत दुनिया में सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बन गया है। ऐसे में सवाल उठता रहा है कि आखिर इतने बड़े उत्पादन के बावजूद दुग्ध उत्पादकों की आर्थिक स्थिति में सुधार क्यों नहीं हो रहा है। केंद्रीय डेयरी मंत्री द्वारा संसद में दिये गए बयान के अनुसार 2021-22 में वैश्विक दुग्ध उत्पादन में 24 फीसदी का योगदान देने वाला भारत दुनिया का सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक बन गया है। डेयरी मंत्री का दावा था कि पशुपालन और डेयरी विभाग डेयरी क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर किसानों को लाभ देने के लिये कई योजनाएं चला रहा है। जिसमें दूध की गुणवत्ता को बढ़ावा देना, संगठित खरीद, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और विपणन में उत्पादकों की हिस्सेदारी बढ़ाना है। उल्लेखनीय है कि 2021 में एनपीडीडी का पुनर्गठन गहन डेयरी विकास कार्यक्रम, गुणवत्ता और स्वच्छ दूध उत्पादन के लिये बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया था। जिसमें सहकारी समितियों की भी सक्रिय भागीदारी होगी।

खुशी-आनन्द के शहर

अक्सर विकसित भारत के संकल्प की बात की जाती है, लेकिन जरूरत इस बात की भी है कि यह विकास की किरण आमजन के जीवन में भी दृष्टिगोचर हो। उसका जीवन स्तर भी बदलता नजर आए। वैसे हमारी तेजी से बढ़ती आबादी के मद्देनजर जरूरी है कि अब चाहे उत्पादकता का क्षेत्र हो या सेवा का क्षेत्र, उसके अनुरूप शहरों की बसावट हो। व्यावसायिक दृष्टि से भी और दैनिक जीवन-यापन के नजरिये से भी। सही मायनों में ग्लोबल वार्मिंग के संकट से उपजे तीखे मौसमी प्रभाव से जनजीवन को सामान्य बनाने के लिये देश को आधुनिक डिजाइन से बने शहरों की जरूरत है। जो पुराने बसाये शहरों में संभव नहीं है। गुरुग्राम जैसा आधुनिक शहर तेज बारिश में जलमग्न हो जाता है और ट्रैफिक जाम के संकट से आये दिन जूझता रहता है। दरअसल, जरूरत इस बात की है कि शहरों की संरचना सौ साल बाद की परिस्थितियों से जूझने में सक्षम हो। ऐसे में हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की वह घोषणा उम्मीद जगाती है कि हरियाणा में सिटी ऑफ हैप्पीनेस और सिटी ऑफ जॉय बसेंगे। इन शहरों को कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे यानी केएमपी पर बसाया जाएगा। दरअसल, मनोहर सरकार की योजना है कि केएमपी के दोनों तरफ पांच आधुनिक शहर बसाए जाएं, लेकिन शुरूआत इन दो शहरों सिटी ऑफ हैप्पीनेस और सिटी ऑफ जॉय से की जाएगी। इसमें पहला शहर खरखौदा-सोनीपत के निकट तो दूसरा शहर पलवल व फरीदाबाद के बीच बसेगा। हालांकि,अभी यह योजना शुरूआती दौर में है और सिंगापुर की एक कंपनी द्वारा इन खुशी और आनन्द के शहरों का तानाबाना बुना जा रहा है। विश्वास किया जाना चाहिए कि वास्तव में खुशी लोगों के जीवन में आए और उनकी खुशियों को बड़ी मछलियों की नजर न लगे, जो नये उपक्रमों में लॉयन शेयर लेने में कामयाब हो जाते हैं। ऐसे वक्त में जब दिल्ली के कारोबार का लगातार विस्तार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों मसलन गुरुग्राम और फरीदाबाद में हो रहा है, नये शहरों का बसाया जाना हरियाणा के हित में होगा। दरअसल, विगत के अनुभव बताते हैं कि नये शहर तो बसाए जाते हैं, लेकिन उनके निर्माण में दूरदृष्टि का अभाव रहता है। कुछ दशकों बाद उनमें पुराने शहरों की तरह यातायात व जलनिकासी के संकट पैदा हो जाते हैं। भारत के सबसे पहले नियोजित और विदेशों की तर्ज पर बनाये गए सिटी ब्यूटीफुल कहे जाने वाले चंडीगढ़ को आज इसी तरह की कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कभी बाबुओं का शहर कहा जाने वाला चंडीगढ़ आज कारों के बोझ से दबा है। नीति-नियंताओं ने कभी नहीं सोचा था कि इस शहर में इतनी कारों का रेला आएगा। कमोबेश, सिटी ऑफ हैप्पीनेस और सिटी ऑफ जॉय अपने नाम के अनुरूप पूरा बनने पर नजर आएं। हमें आने वाले सौ सालों के लक्ष्यों को लेकर इन शहरों की संरचना बनानी होगी। उसमें पर्यावरण, खेल और आमोद-प्रमोद से लेकर सेहत के सरोकारों को प्राथमिकता देनी होगी। हमारे शहरों का वातावरण ही हमें आनन्दित व खुश रख सकता है। एक पारदर्शी व्यवस्था से ही ये लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। निश्चित रूप से विदेशी मॉडल के शहर हरियाणवी जनमानस की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकते। उसमें परंपरागत हरियाणा की महक भी जरूरी है। पुरखों का हरियाणा भी उसमें नजर आए। उन खिलाड़ियों के अनुकूल वातावरण होना चाहिए जो आज देश-दुनिया से सोने-चांदी के मेडल जीतकर ला रहे हैं। निश्चित रूप से जब कोई नया शहर बनता है तो तरह-तरह के रोजगार की संभावनाओं के द्वार खुलते हैं। लेकिन कोशिश हो कि हरियाणा के युवाओं के लिये रोजगार के अवसर सुनहरे हों। इसके अलावा उन किसानों के वंशजों के हकों का विशेष ध्यान इन शहरों में रखा जाए, जिन्होंने केएमपी और इन शहरों के निर्माण के लिये अपने पुरखों की जमीन दी है। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि उनके आश्रितों को बिना किसी लाल फीताशाही के अपने हक मिल जाएं। तभी तो हम कह सकेंगे कि ये शहर वाकई सिटी ऑफ हैप्पीनेस और सिटी ऑफ जॉय हैं।

यूपीजीआईएस की लगातार सफलता ने उत्तर प्रदेश के विकास की ओर दुनिया का ध्यान आकर्षित किया

उमेश चतुर्वेदी

पिछले साल बारह फरवरी को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट को गैरभाजपा दलों ने गंभीरता से नहीं लिया था...विपक्षी दलों ने इसकी सफलता पर सवाल उठाए थे। लेकिन इस आयोजन के एक साल बीतने के बाद जो आंकड़े सामने आए हैं, उससे पता चलता है कि सम्मेलन का आयोजन उत्तर प्रदेश की आर्थिक सेहत की दिशा में कारगर साबित हुआ है। सिर्फ एक साल की छोटी अवधि में ही उत्तर प्रदेश में करीब 10 लाख करोड़ रुपये का अनुमानित निवेश प्रस्ताव आया है। जिसके जरिए उम्मीद की जा रही है कि राज्य में करीब चौदह हजार योजनाएं लागू की जा सकेंगी, जिनके जरिए करीब साढ़े तैंतीस लाख रोजगार पैदा होंगे। 19 फरवरी, 2024 को राजधानी लखनऊ आयोजित होने जा रहे ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह यानीजीबीसी को इसी दिशा में बड़ा प्रयास माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार को अनुमान है कि इस आयोजन में तीन हजार से प्रतिभागी शामिल होंगे, जिनमें उद्योगपति, जानीमानी कंपनियां, विदेशी निवेशक, राजनयिक और दूसरे जाने-माने लोग होंगे।

उद्योगपति और कारोबारी तभी किसी राज्य में अपनी रकम लगाने का जोखिम उठाते हैं, जब उनका उस राज्य या माटी पर भरोसा होता है। यह भरोसा आता है, राज्य की कानून व्यवस्था बेहतर बनने की वजह से। उत्तर प्रदेश की छवि कभी अराजक राज्य के तौर पर रही। लेकिन कहना न होगा कि योगी सरकार ने जिस तरह कानून व्यवस्था के मोर्चे को दुरुस्त किया है, उससे राज्य में कानून का शासन स्थापित है। अराजकता और गुंडागर्दी पर लगाम है। राज्य कभी दंगों के लिए भी कुख्यात था, लेकिन अब उत्तर प्रदेश सांप्रदायिक दंगों से दूर है। कहना न होगा कि निवेशक के लिए राज्य बेहतर माहौल मुहैया कराने में कामयाब रहा है। इसमें दो राय नहीं कि निवेशक वहीं निवेश करना चाहता है, जहां उसे आराम से कारोबार और उत्पादन करने दिया जाए। भारतीय जनता पार्टी के दूसरे शासन काल में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था काबू में है। यही वजह है कि कभी बीमारू राज्यों में शामिल उत्तर प्रदेश में अब निवेशक आने से हिचक नहीं रहे हैं।

निवेशक की दूसरी जरूरत बुनियादी ढांचा की बेहतरी होती है। जिसमें सड़क, बिजली और पानी की उपलब्धता सहज होनी चाहिए। राज्य में बेशक ग्रामीण इलाकों में पिछले कुछ महीनों से बिजली सप्लाई बाधित हुई है। इसके पीछे कर्मचारी तंत्र की मानसिकता भी है। लेकिन यह भी सच है कि बिजली के मामले में विगत के शासन से बेहतर हुआ है। ढांचागत सुविधाओं को बुनियादी स्तर पर सहज बनाने में स्थानीय प्रशासन और राजनीति भी बाधक है। स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाया है। लेकिन यह भी सच है कि इसके बावजूद राज्य का बुनियादी ढांचा बेहतर हुआ है। यही वजह है कि अब राज्य में बड़े-बड़े समूह निवेश करने के लिए खुले दिल से आगे आ रहे हैं। इसी वजह से राज्य सरकार का दावा है चौथे ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह में जुटने वाले उद्योगपति राज्य में बड़ा निवेश करने वाले हैं। राज्य सरकार के आंकड़ों पर भरोसा करें तो राज्य में हीरानंदानी समूह के साथ सिफी टेक्नॉलाजी, वीएएलएस डेवलेपर्स, एसटीटी ग्लोबल और जैक्सन लि.समूचे राज्य में डेटा सेंटर स्थापित करने जा रहे हैं।

इसी तरह वाहन उत्पादक कंपनियां अशोक लीलैंड और यामाहा भी उत्तर प्रदेश में कई जगह अपने उत्पादन केंद्र शुरू करने की तैयारी में हैं। राज्य की बिजली व्यवस्था दुरुस्त हो, निवेशकों को भरपूर बिजली मिले, इसके लिए राज्य सरकार ऊर्जा के तीनों स्रोतों, थर्मल, जल विद्युत और सौर ऊर्जा में निजी और सार्वजनिक-दोनों क्षेत्रों की कंपनियों को आमंत्रित किया है। राज्य सरकार का दावा है कि एनटीपीसी के साथ ही ग्रीनको ग्रुप, टोरेंट पावर, एसीएमई ग्रुप, जेएसडब्ल्यू एनर्जी पीएसपी सिक्स और टिस्को राज्य में कई तरह की ऊर्जा परियोजनाएं लगाने जा रही हैं। एम थ्री एम इंडिया, आईएनजीकेए, द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा और गोदरेज प्रॉपर्टीज ने राज्य के आवासीय परिदृश्य को बदलने की तैयारी में हैं तो राज्य में हथियार निर्माण उद्योग, सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री, हॉस्पिटैलिटी आदि में भी भारी निवेश आ रहा है। राज्य सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में साल 2018 में पहली बार यूपी इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया था। जिसमें करीब 4.28 लाख करोड़ रुपये के निवेश पर हस्ताक्षर हुए थे। इसके बाद जुलाई-2018 और जुलाई-2019 में ग्राउंड ब्रेकिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनसे करीब 130 करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए। जिनके जरिए 290 परियोजनाएं राज्य में स्थापित हो चुकी हैं। कोरोना के चलते अगले दो साल तक कोई निवेशक सम्मेलन नहीं हुआ। लेकिन साल 2022 में तीसरा ग्राउंड-ब्रेकिंग समारोह हुआ, जिसमें करीब अस्सी हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव राज्य को मिले।

इसकी वजह से सकल घरेलू उत्पाद के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन गया है। इन्वेस्टिंग और स्टॉक मार्केट पर नजर रखने वाले एसओआइसी डाट इन और क्रेडिट लियोनिस सिक्योरिटीज एशिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीडीपी में हिस्सेदारी के मामले में उत्तर प्रदेश का स्थान महाराष्ट्र के बाद दूसरे नंबर पर है। यहां याद करना चाहिए कि देश के जीडीपी में 15.7 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ महाराष्ट्र जहां पहले पायदान पर है, वहीं 9.2 प्रतिशत भागीदारी के साथ यूपी दूसरे स्थान पर है। जहां तक जीएसटी संग्रह की बात है तो साल 2022-23 में राज्य ने एक लाख सात हजार 407 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया, जिसके 2023-24 में बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ होने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश की कारोबारी स्थिति को बताने में राज्य के जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों की संख्या मुफीद हो सकती है, जो देश में सबसे ज्यादा है। डिजिटल लेनदेन के मामले में राज्य भी तेजी से प्रगति कर रहा है। हालत यह है कि डिजिटल लेनदेन के मामलों में सिर्फ एक साल में तीन गुना तक की बढ़ोत्तरी हुई है। बैंकर्स समिति के मुताबिक उत्तर प्रदेश में पिछले वर्ष साल जहां 426.68 करोड़ डिजिटल लेनदेन हुआ, जो इस साल बढ़कर 1174.32 करोड़ हो गया है। जाहिर है कि राज्य की आर्थिक स्थिति जहां बेहतर हो रही है, वहीं राज्य में इंटरनेट की उपलब्धता सहज हुई है और इसका फायदा राज्य का जागरूक नागरिक उठा रहा है। राज्य ने अपना वित्तीय प्रबंधन अनुशासित करने में भी धीरे-धीरे सफल हो रहा है।

राजनीतिक लक्ष्य हासिल करने के लिए किसानों की भावनाएं भड़काई गयी हैं

उमेश चतुर्वेदी

खेती-किसानी की संस्कृति वाले अपने देश की विडंबना कहेंगे या फिर कुछ और...गुलाम भारत में बदहाल रही खेती-किसानी को लेकर आजाद भारत में भी क्रांतिकारी बदलाव नहीं आ पाया। राजनीति का खेल कहें या शासन व्यवस्था की नाकामी, आजाद भारत के सारे चुनावों में किसानों की स्थिति मुद्दा रही। वामपंथी धारा की राजनीति हो या राष्ट्रवादी धारा की, समाजवादी हों या मध्यमार्गी, हर राजनीतिक दल, सभी चुनावों में किसान, मजदूर और गरीब को ही मुद्दा बनाता रहा। लेकिन आजादी के पचहत्तर साल बाद भी संपूर्ण भारत भूमि को वैसी चमक हासिल नहीं हो पाई, जैसी औद्योगिक क्रांति के बाद के महज डेढ़ सौ सालों में ही यूरोप ने हासिल कर लिया। बेशक भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर वह तेजी से अग्रसर भी है। लेकिन इस आर्थिक विकास का आनुपातिक हिस्सा गरीबों, मजदूरों और किसानों को नहीं मिल पाया है। मौजूदा किसान आंदोलन को लेकर अगर देश के एक बड़े वर्ग में सहानुभूति है तो इसकी एक बड़ी वजह हमारी व्यवस्था की नाकामी से उपजा असंतुलन ही है। किसानों को लेकर बनी सोच का ही नतीजा है कि दो साल पहले हुए किसान आंदोलन की हिंसा और हठधर्मिता के बावजूद देश का एक बड़ा हिस्सा उनके प्रति हमदर्दी रखता रहा है।

स्वाधीन भारत में कई किसान आंदोलन हुए। बेशक हमारा देश अब औद्योगिक और सेवा क्षेत्र का बड़ा हब बनता जा रहा है, लेकिन अब भी देश की बड़ी आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है। एक आंकड़े के मुताबिक अब भी ग्रामीण आबादी का 54 फीसद हिस्सा सिर्फ खेती और किसानी पर ही निर्भर है। अपना देश विशाल है और स्थानीय स्तर पर लोगों की अपनी-अपनी समस्याएं भी रहती ही हैं। स्वाधीन भारत ने जिस ब्यूरोक्रेसी को अपनाया है, कई बार उसकी जड़ सोच की वजह से भी स्थानीय स्तर पर समस्याएं उपजती ही रहती हैं। उसकी वजह से स्थानीय स्तर पर हर समय देश के किसी ना किसी हिस्से में किसान आंदोलन होते ही रहते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में बड़े किसान आंदोलन अगर हुए हैं, उनमें प्रमुख रूप से तीन-चार के ही नाम गिनाए जा सकते हैं। पिछली सदी के अस्सी के दशक में भारतीय किसान यूनियन नेता महेंद्र सिंह टिकैत की अगुआई में हुआ आंदोलन इनमें सबसे ज्यादा उल्लेखनीय रहा है। शायद यह पहला मौका था, जब किसानों ने दिल्ली के वोट क्लब को घेर लिया था। जब नरसिंह राव ने उदारीकरण की नीतियां स्वीकार कीं, भारत जब विश्व व्यापार संगठन का हिस्सा बना, तब शेतकारी संगठन जैसे किसान संगठनों की अगुआई में खेती में विदेशी हस्तक्षेप और भारतीयता की परंपरा को खत्म करने की आशंकाओं के खिलाफ पिछली सदी के आखिरी दशक में लंबा आंदोलन चला। हरियाणा में बिजली बिल माफ करने की मांग को लेकर हुए आंदोलन को भी इस सूची में जोड़ सकते हैं। लेकिन अतीत के ये आंदोलन कभी हिंसक नहीं रहे।

अबू धाबी में बी.ए.पी.एस.हिन्दू मंदिर उद्घाटन समारोह में सनातन संस्था के संतों की वंदनीय उपस्थिति!

इस्लामिक देश में हिन्दू मंदिर का निर्माण होना, वैश्विक हिन्दू राष्ट्र निर्माण का शंखनाद है ! - श्रीसत्शक्ति (श्रीमती) बिंदा सिंगबाळजी, सनातन संस्था

अबू धाबी - कुछ दिन पूर्व ही भारत में अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण हुआ एवं रामलला की मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा का भव्य समारोह अखिल विश्व ने अनुभव किया । अब यु.ए.ई. जैसे इस्लामिक देश में भी बी.ए.पी.एस. हिन्दू मंदिर का निर्माण हुआ है। यह एक प्रकार से वैश्विक हिन्दू राष्ट्र के निर्माण का शंखनाद है, ऐसा प्रतिपादन श्रीसत्शक्ति (श्रीमती) बिंदा नीलेश सिंगबाळजी ने किया। अबू धाबी के मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात वे ऐसा बोल रही थीं। इस समय श्रीचित्शक्ति (श्रीमती) अंजली गाडगीळजी ने कहा, पिछले कुछ शतकों में भारत के हिन्दू मंदिरों पर आक्रमण हुए, मंदिर नष्ट-भ्रष्ट किए गए; अब भारत की वह सभी वास्तू पुनः एकबार कानूनन मार्ग से संघर्ष कर हिन्दू समाज को प्राप्त हो रही हैं। उन स्थानों पर मंदिरों का निर्माण हो रहा है। इतना ही नहीं, अपितु अब इस्लामी देशों में हिन्दू मंदिरों की निर्मिति होने लगी है। हिन्दू धर्म की महानता काल के अनुसार पूरे विश्व में फैल रही है । यह कालचक्र है, उसे कोई रोक नहीं सकता। भारत विश्वगुरुपद की ओर अग्रसर हो रहा है । इसी का यह द्योतक है।

पश्चिम एशिया का सबसे बडा हिन्दू मंदिर बी.ए.पी.एस. हिन्दू मंदिर का उद्घाटन १४ फरवरी को भारत के प्रधानमंत्री मा. नरेंद्र मोदीजी के करकमलों से हुआ । इस उपलक्ष्य में मंदिर द्वारा १५ फरवरी को आयोजित हार्मनी कार्यक्रम में सनातन संस्था की ओर से सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. आठवलेजी की आध्यात्मिक उत्तराधिकारिणी श्रीसत्शक्ति (श्रीमती) बिंदा सिंगबाळजी एवं श्रीचित्शक्ति (श्रीमती) अंजली गाडगीळजी की वंदनीय उपस्थिति का लाभ हुआ । मंदिर के पदाधिकारी श्री. रवींद्र कदम ने अक्टूबर २०२३ में मंदिर की ओर से उद्घाटन समारोह का निमंत्रण भेजा था । मंदिर के प्रमुख महंत स्वामी महाराज की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ । इस कार्यक्रम में हरिद्वार के आखाडा के महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंदजी प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे । स्वामी ब्रह्मविहारीदास महाराजजी ने स्वागतपर भाषण दिया ।

सनातन संस्था के ३ गुरुओं के नाम पर मंदिर के निर्माणकार्य के लिए ३ ईंटें अर्पण !- जुलाई २०२२ में श्रीचित्शक्ति (श्रीमती) अंजली गाडगीळजी अनुसंधान के निमित्त संयुक्त अरब अमिरात की यात्रा पर थीं । उस समय वह बी.ए.पी.एस. हिन्दू मंदिर भी गईं थी एवं निर्माणकार्य का ब्योरा लिया था, साथ ही सनातन संस्था के ३ गुरुओं के नाम पर (सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. आठवले, श्रीसत्शक्ति (श्रीमती) बिंदा सिंगबाळजी एवं श्रीचित्शक्ति (श्रीमती) अंजली गाडगीळजी के नाम पर) मंदिर के निर्माणकार्य के लिए ३ ईंटें पूजन कर अर्पण की थीं।

अखिलेश यादव के पीडीए में पीछे छूटते जा रहे हैं पिछड़े-दलित और मुसलमान

संजय सक्सेना

समाजवादी पार्टी के नेतृत्व पर परिवारवाद का आरोप लगता रहता है, लेकिन इससे कभी पार्टी की सेहत पर कोई बुरा असर नहीं पड़ा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। सपा में परिवारवाद के बाद अब जिस तरह से बाहरी लोगों को राज्यसभा और विधान परिषद भेजने में दिलेरी दिखाई जा रही है, उससे पार्टी के भीतर बवाल खड़ा हो गया है। वैसे इसकी चिंगारी तभी उठने लगी थी, जब सपा ने लोकसभा के लिये 16 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की थी। यह चिंगारी सपा प्रमुख द्वारा राज्यसभा के लिये मनमाने तरीके से प्रत्याशियों का चयन करने से और भी भड़क गई है। सपा के नेता और कार्यकर्ता कह रहे हैं कि काम हमारा- अधिकार तुम्हारा नहीं चलेगा। राज्यसभा में जिस तरह से सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बाहरी लोगों को टिकट दिया, उससे स्वामी प्रसाद मौर्या ही नहीं कई अन्य नेता भी नाराज हो गये हैं। स्थिति यह है कि सपा का मजबूत वोट बैंक समझे जाने वाला पिछड़ा, दलित, मुसलमान भी अखिलेश के रवैये से अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है। स्वामी प्रसाद मौर्या पहले ही नाराजगी जता चुके हैं और नई पार्टी के गठन का ऐलान कर चुके हैं जबकि सपा के दलित नेता और पूर्व मंत्री कमलाकांत गौतम ने नाराजगी के चलते अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। उधर, मुसलमानों के कई रहनुमा कह रहे हैं कि 90 फीसदी मुस्लिम समाजवादी पार्टी को वोट देते हैं और उनको अधिकार के नाम पर झुनझुना दिखाया जाता है। अखिलेश को बताना होगा कि राज्यसभा के लिये उसे कोई मुस्लिम नेता का नाम क्यों नहीं सूझा। सपा पर अंदर-बाहर सभी तरफ से आरोप लगा रहा है कि उसका पिछड़ा, दलित, मुसलमान (पीडीए) छलावा है।

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखकर सपा से एक भी मुसलमान नेता को राज्यसभा का टिकट न मिलने पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि आपके इस फैसले से सख्त तकलीफ हुई है। मौलाना ने कांग्रेस की तारीफ करते हुए लिखा है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पूरे देश में नफरत के खिलाफ यात्रा निकाल रहे हैं। वह संविधान बचाने, अमन पसंद लोगों को एकजुट करने में जुटे हैं। ऐसे में सपा को साथ देना चाहिए। भाजपा को रोकने के लिए सपा और कांग्रेस को एक मंच पर आना होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में फिरकापरस्त ताकतों को मजबूत करने की गलती न करें। मुसलमानों के जज्बात एवं एहसास को ठेस न पहुंचाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में सपा की ओर से कांग्रेस को गलत सीटें दी जा रही हैं। इससे स्पष्ट है कि आप लोकसभा में भाजपा के खिलाफ कमजोर उम्मीदवार उतारने की मंशा रखते हैं। लखनऊ में राजनाथ सिंह के खिलाफ जिस उम्मीदवार की घोषणा की गई है, उससे भी यही प्रतीत होता है कि भाजपा को वॉकओवर दे दिया गया है।

समाजवादी पार्टी के लिये ऐन चुनाव से पूर्व पार्टी के भीतर उठा बवंडर खतरे की घंटी साबित हो सकता है। समय रहते यदि इसको नहीं थामा गया तो लोकसभा चुनाव में पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है क्योंकि अखिलेश की पीडीए मुहिम को एक के बाद एक झटका लग रहा है। स्वामी प्रसाद मौर्य के बाद पूर्व मंत्री व सपा के प्रदेश सचिव कमलाकांत गौतम ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। कमलाकांत की बेचैनी भी स्वामी प्रसाद जैसी ही लग रही है। उन्होंने कहा कि सचिव का पद निष्क्रिय व निष्प्रभावी बना दिया गया है। वहीं, स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ भेदभाव व पक्षपातपूर्ण व्यवहार के कारण बहुजन समाज आहत है। ऐसे में महत्वहीन पद पर बने रहने का औचित्य नहीं है, इस कारण त्यागपत्र दे रहा हूं।

पीडीए के ही मुद्दे को लेकर पहले अपना दल कमेरावादी की पल्लवी पटेल ने नाराजगी दिखाई थी, बाद में स्वामी प्रसाद ने राष्ट्रीय महासचिव का पद छोड़ दिया था। कमलाकांत ने त्यागपत्र में लिखा है कि आज तक मुझे कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई। बिना किसी जिम्मेदारी व जवाबदेही के पार्टी का जनाधार नहीं बढ़ाया जा सकता। गौतम का कहना है कि वह सदैव सामाजिक परिवर्तन के संघर्ष में हिस्सा रहे हैं। वंचित समाज को हक और अधिकार दिलाने के प्रयास करता रहता हूँ। उन्होंने मौर्य के साथ पार्टी में भेदभाव, पक्षपातपूर्ण व्यवहार और उपेक्षा की बात उठाते हुए लिखा है कि इससे बहुजन समाज आहत है। ऐसे में महत्वहीन पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं समझता हूं। उन्होंने कहा है कि मैं सपा के प्रदेश सचिव पद से त्यागपत्र दे रहा हूं मगर बिना पद के कार्य करता रहूंगा।

डीएम व पुलिस अधीक्षक ने बोर्ड परीक्षा को लेकर की ब्रीफिंग

बलिया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा संचालित आगामी हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा को सकुशलतापूर्वक, नकलविहीन और शुचितापूर्ण संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार के गंगा बहुउद्देशीय सभागार में बैठक की। उन्होंने सभी जोनल, स्टेटिक, एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक व बाह्य केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि परीक्षा की जो नियम-शर्तें हैं, उनके अनुरूप ही परीक्षा कराएंगे। सचेत किया कि किसी भी स्तर पर छोटी से छोटी गलती भी अक्षम्य होगी।

किसी भी प्रकार की गड़बड़ी संज्ञान में आई तो व्यक्तिगत रूप से जवाबदेही तय करते हुए जिम्मेदार पर बड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि परीक्षा से संबंधित सभी संबंधित अधिकारियों के कार्यों के बारे में बोर्ड द्वारा बुकलेट में सभी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं सभी लोग इसे अवश्य पढ़ लें। किसी भी दशा में कोई भी छोटी गलती स्वीकार नहीं होगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी और पुलिस भर्ती परीक्षा को सकुशलतापूर्वक सम्पन्न कराने के बाद बोर्ड परीक्षा को निर्विघ्न संपन्न कराने की जिम्मेदारी है।इस परीक्षा में जितने स्तर पर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है वह पूरी तरीके से फूलप्रूफ व्यवस्था है, इसमें शामिल सभी अधिकारी यदि अपने कर्तव्यों का निर्वहन सही तरीके से करेंगे तो बोर्ड परीक्षा में कोई सेंधमारी नहीं होगी। यदि किसी ने सेंधमारी की कोशिश की तो इसके बुरे परिणाम भुगतने पड़ेंगे। साथ ही सभी केंद्र व्यवस्थापकों को स्ट्रांग रूम की फूलप्रूफ सुरक्षा से संबंधित रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। उन्होंने बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन और शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने के लिए पूरी टीम को ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा के साथ काम करने का आग्रह किया। इसके अलावा स्टेटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्र के बाहर और केंद्र व्यवस्थापक एवं बाह्य केंद्र व्यवस्थापक परीक्षा केंद्र के अंदर बोर्ड के निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कराएंगें।

बैठक में एसपी देव रंजन वर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी बात रखी और कहा कि पिछले समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी और पुलिस भर्ती परीक्षा को कड़ी निगरानी में सकुशल संपन्न कराया गया है और इस दौरान संलिप्त आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए मुकदमा भी दर्ज किया गया। उन्होंने वीडियो क्लिपिंग के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस सहित अन्य संवेदनशील बिंदुओं पर बैठक को अवगत कराया। उन्होंने परीक्षा के दौरान नकल माफियाओं, फर्जी अभ्यर्थियों और पेपर लीक जैसे बिंदुओं पर नकेल कसने के लिए अपनी सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम के बारे में जानकारी दी। कहा कि परीक्षा की शूचिता बनाए रखने के लिए गोपनीय और ओपनली दोनों प्रकार के टीम अपना काम कर रही है। उन्होंने साफ शब्दों में सभी को सचेत किया कि इन परीक्षाओं पर पुलिस की भी पैनी नजर रहेगी,स्पेशल सेल एक्टिव रहेगा, इसलिए इस परीक्षा की संवेदनशीलता को समझते हुए आप में से कोई भी किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतेगा। संलिप्तता और गड़बड़ी की स्थिति में पुलिसिया कार्रवाई भी निष्पक्ष होगी और परीक्षा केंद्र से सीधे तत्काल जेल भेजने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में एडीएम डीपी सिंह,अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक रमेश सिंह, परियोजना निदेशक उमेश मणि त्रिपाठी, बीएसए मनीष सिंह, डीएसओ रामजतन यादव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी एवं केंद्र व्यवस्थापक आदि मौजूद थे।

रैली निकाल शहीद स्थल की हुई साफ-सफाई

प्रखर सहजनवां गोरखपुर। सहजनवा क्षेत्र के बाबू लाल जी सिंह पी जी कॉलेज भगौरा में एनएसएस के तहत स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं की मतदाता जागरूकता के संदर्भ में एक रैली निकाली गई।रैली महाविद्यालय प्रांगण से निकलकर डोहरिया कला स्थित शहीद स्थल तक पहुंची।रैली में स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाएं पोस्टर,बैनर लेकर नारा देते हुए चल रहे थे 'पहले मतदान, फिर जलपान' 'भारत भाग्य विधाता है, हम युग के निमार्ता हैं' 'अपनी ताकत को पहचान,चलो करें हम सब मतदान'। रैली भगौरा, मिनवां गांव होते हुए डोहरियां कला शहीद स्थल तक पहुंची। जहां शहीद स्थल का स्वयंसेवक और स्वयं सेविकाओं द्वारा साफ सफाई भी की गई। इसके साथ ही विधिवत एन एस एस के सप्त दिवसीय शिविर का उद्घाटन किया गया। इस सप्त दिवसीय शिविर का 24 फरवरी को समापन किया जाएगा। इस अवसर पर एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेंद्र प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में राष्ट्र के प्रति कुछ करने की जज्बा का विकास करना होता है। पठन-पाठन के साथ-साथ इस तरह के कार्यक्रम करने से छात्रों का

संपूर्णता में विकास होता है। इस अवसर पर डा राजकमल सिंह,डा ज्योति मद्धेशिया,डा राजीव यादव,डा हिमांचल सिंह,संजय कुमार यादव, मिथिलेश प्रजापति, अजीत श्रीवास्तव सहित दर्जनों कि संख्या में स्वयं सेवक और स्वंय सेविकाएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

दुकान में घुसकर मारने पीटने वाले दबंगों पर पुलिस में दर्ज किया केस

प्रखर पूर्वांचल गोरखपुर। सहजनवां थाना क्षेत्र के पुंडा में पुरानी रंजीश को लेकर पड़ोस के दो आरोपियों ने दुकान में घुसकर मारने-पीटने व धारदार हथियार से हमला करने का मामला संज्ञान में आया था पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है अमित भट्ट अपने पुराने घर से दूसरे मकान पर जा रहे थे कि रास्ते में पड़ोस के दो लोगों ने रोक कर धारदार हथियार से दाहिने हाथ पर हमला कर दिया। जान बचाकर दुकान में भाग तो आरोपियों ने दुकान में घुसकर लाठी-डंडे से मारा पीटा तथा बीच बचाव करने आए चाचा को भी पीट कर घायल कर दिया पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपीय आलोक और प्रशांत भट्ट के खिलाफ घर में घुसकर गाली गलौज व मारने-पीटने तथा तोड़फोड़ का केस दर्ज कर लिया है।

मुरारी इंटर कॉलेज में हुए विज्ञान जन-जागरुकता कार्यक्रम से बच्चों को किया गया जागरूक

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा क्षेत्र के मुरारी इंटर कॉलेज में गोरखपुर नक्षत्रशाला के तत्वाधान में विज्ञान के प्रयोगों और विभिन्न क्रियाकलापों के द्वारा छात्रो को जागरूक किया गया । इस कार्यक्रम में बच्चों को संबोधित करते हुए ज़िला विज्ञान अधिकारी महादेव पांडेय ने बताया कि जीवन के प्रत्येक क्रियाकलापों में विज्ञान सम्मिलित हैं । विज्ञान का सहारा लेकर ही कुछ लॉगऑन द्वारा कई प्रकार के भ्रांतियाँ समाज में फैलायी जाती हैं । अतः आज सभी को विज्ञान को समझने की आवश्यकता हैं । इस कार्यक्रम में खेलझखेल में बिना रगड़े माचिस की तीली को जलाना, गुब्बारे को हवा में उड़ना, साथ ही खराब हुए लेड बल्ब को कैसे घर पे बनाकर उसका पुनः उपयोग किया जा सकता हैं, इसके बारे में विस्तृत रूप में बच्चों को बताया गया हैं । विद्यालय के प्रधानाचार्य मेजर साकेत जी ने बताया कि हमारा विद्यालय लगातार विज्ञान विषय को प्रोत्साहित करके विभिन्न पाठ्यसाहगामी क्रियाओ द्वारा छात्रो में विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न की जा रही हैं । इस कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यापक अनिल कुमार वर्मा, सुप्रिया, सुधीर कुमार, इंद्रेश यादव सहित भारी संख्या में छात्र छात्राए उपस्थिति रहे।

विभिन्न मांगों को लेकर नगर आयुक्त से मिले समाजसेवी

प्रखर रामनगर वाराणसी। विभिन्न मांगों को लेकर भाजपा नेता एवं समाजसेवी नगर आयुक्त से मिले कामता पांडे जाम,और रास्ते के निर्माण व रामनगर सामनेघाट पुल पर मार्ग प्रकाश/ स्ट्रीट लाईट लगाने को लेकर श्रीमान नगर आयुक्त वाराणसी से भेट किया। नगर आयुक्त ने आश्वासन दिया कि जल्द ही स्ट्रीट लाइट लगाई जाएगी साथ भी जो भी समस्या है उसको जल्द पूरा किया जाएगा। समाजसेवी ने नगर आयुक्त को प्रभु श्रीराम का स्मृति चिह्न व अंगवस्त्र व प्रसाद भेट किया।

उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ शाखा वाराणसी का प्रान्तीय संघ के आवाहन पर सफाई कर्मचारियों को ऑनलाइन उपस्थिति से मुक्त रखे जाने को लेकर शास्त्री घाट पर किया गया धरना प्रदर्शन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ शाखा वाराणसी का प्रान्तीय संघ के आवाहन पर अपनी मांगों के समर्थन में एवं सफाई कर्मचारियों को ऑनलाइन उपस्थिति से मुक्त रखे जाने हेतु वरूणा पुल स्थित शास्त्री घाट पर विशाल धरना प्रदर्शन किया गया` धरना प्रदर्शन के उपरान्त सैकड़ो कर्मचारियों ने शास्त्री घाट से रैली निकालकर अम्बेडकर पार्क,कचहरी होते हुए विकास भवन पहुंचकर प्रमुख सचिव पंचायती राज एवं निदेशक पंचायती राज लखनऊ को सम्बोधित ज्ञापन जिला पंचायत राज अधिकारी को सौंपा गया गया, तत्पश्चात जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि को सौंपा। धरना प्रदर्शन एवं रैली की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संजय कुमार तिवारी ने किया एवं समस्त कार्यक्रमों का संचालन जिला संरक्षक जितेन्द्र कुमार ने किया` धरना प्रदर्शन में पूर्व प्रान्तीय उपाध्यक्ष ओम प्रकाश पटेल ने कहा कि लगातार ईमानदारी एवं निष्ठा से कार्य करने के बावजूद सरकार हमारा उत्पीड़न कर रही है जो उचित नहीं है करोना काल में किये गये हमारे योगदान को भी नजर अंदाज किया जा रहा है जबकि हमारे कर्मचारियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर आम लोगों की सेवा की जो कभी भुलाया नहीं जा सकता` इस मौके पर संजय कुमार तिवारी ने कहा कि हमारा कर्मचारी कम पढ़ा-लिखा है इसे आनलाइन उपस्थिति और एंगल कैमरा एवं मानव सम्पदा पोर्टल जैसे तमाम तकनिकी चीजों से खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जो अत्यन्त दुखद है अतः सरकार आनलाइन उपस्थिति से कर्मचारियों को मुक्त रखे। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष विष्णु प्रसाद एवं पूर्व महामंत्री जितेन्द्र कुमार वर्मा ने विभागीय सेवा नियमावली बनाने की सरकार से मांग की` धरने में मुख्य रूप से जिला महामंत्री गोविन्द यादव, ओम प्रकाश वर्मा, कल्लू पटेल, श्रवण कुमार कन्नौजिया, शिवभगत, राजकुमार, पुन्नू प्रसाद, प्रकाश सिंह, दिनेश कुमार राजभर, हलचल, विनोद यादव, केदई राम, धीरज सिंह, संजय सोनकर, अजय कुमार, विजय कुमार, सन्तोष कुमार, हौसिला प्रसाद, ज्ञानदास पाल, शंकर राम, विजय कुमार, बसन्त सोनकर, बसन्त पटेल, राधेश्याम पटेल, दिनेश कुमार, राजबली, घनश्याम, उत्तम कुमार, मुन्नालाल, विजय कुमार मास्टर, उदयराज पटेल, प्रभाकर, सुनील, अशोक कुमार, रतन कुमार पटेल, सन्तोष पटेल, आर०डी० यादव, ऋषि यादव, मिथुन यादव, सूरजभान, ओमप्रकाश, अच्छे लाल शर्मा, अशोक कुमार सिंह, राजनारायन, बबलू पटेल, शीतला यादव, राकेश सिंह, अजय श्रीवास्तव, सन्तोष मास्टर, आशीष कुमार, रवि शंकर, अवधेश कुमार इत्यादि लोगों ने धरने में भाग लिया।

जेसीबी से हटाया गया अतिक्रमण

प्रखर जखनियां गाजीपुर। शासन ने सभी जिलों में अतिक्रमण हटाने का सख्त निर्देश दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के गौसपुर बुजुर्गा गांव में गाजीपुर आजमगढ मार्ग से सटे नवीन परती की भूमि की गाटा संख्या 571 पर हुए अतिक्रमण को मंगलवार को पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे राजस्वकर्मियों की टीम ने अतिक्रमण को जेसीबी से ध्वस्त कराते हुए जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। उक्त भूमि पर इन्द्रदेव यादव पुत्र प्रभुनाथ आदि लोग वर्षों से झोपड़ी बनाकर रहते थे। पूर्व प्रधान एम खालिद ने राजस्व कर्मियों द्वारा भेद-भाव पूर्ण तरीके से कार्य करने का आरोप लगाया है। उन्होंने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई है कि नवीन परती भूमि की गाटा संख्या 562 में आधा दर्जन लोगों ने कब्जा जमाया हुआ है। और कार्रवाई केवल एक व्यक्ति पर की गई है। जबकि मेरे द्वारा पंचायत

भवन व खेल के मैदान पर अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कराने के बाद भी आज तक ग्राम पंचायत की सुरक्षित भूमि खेल के मैदान एवं पंचायत भवन पर अतिक्रमण बना हुआ हैं।

पास देने में सड़क किनारे पलटी ट्रक

बिल्थरारोड (बलिया)। उभाँव थाना क्षेत्र के बेल्थरा रोड नगरा राज मार्ग पर अवाया ग्राम में कब्रिस्तान के समीप सोमवार की प्रातः करीब 4 बजे रसडा की तरफ से आ रही लाल बालू लदी ट्रक पीछे से आ रही दूसरे ट्रक को पास देने में सड़क किनारे पलट गई। संयोग ठीक रहा कि कोई अनहोनी न हो सकी। चालक शिवमुनी ट्रक से कूदकर अपनी जान बचा सके। इस घटना में जहां एक विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं लाल बालू तितर बितर हो गया था। ट्रक पलटने का कारण सरकार की ओर से चलाए जा रहे हर घर जल योजना अंतर्गत सड़क किनारे खोदे जा रहे गड्ढे में ट्रक का एक चक्का चला जाना बताया जा रहा है। कई घंटे बाद जेसीबी के सहारे ट्रक को सीधा कराया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक के द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में बलवा ड्रिल का किया गया पूर्वाभ्यास

प्रखर संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर शशी शेखर सिंह के नेतृत्व में पुलिस लाइन परेड ग्राउंड पर जनपद में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने तथा किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति से निपटने के उद्देश्य बलवा ड्रिल का पूर्वाभ्यास किया गया, रिजर्व पुलिस लाइन्स में कार्यरत उपनिरीक्षकों, मुख्य आरक्षियों तथा आरक्षियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस दौरान पुलिस टीम को दंगा निरोधक तथा बल्वा निरोधक उपकरणों का प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया गया। पुलिस बल के कर्मियों को विभिन्न प्रकार के शस्त्रों एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों के संचालन का प्रशिक्षण प्रदान

किया गया व पुलिस बल को दंगाईयों से निपटने के लिए विभिन्न तरीके एवं गुर सिखाये गये। अभ्यास के दौरान भीड़ को तितर बितर करने के विभिन्न तरीकों के साथ फायर ब्रिगेड की गाड़ी से पानी की बौछार , लाठी चार्ज , आँसू गैस के गोले और दंगाईयों पर रबर के गोले , एंटी राइट गन , रबर बुलेट गन , टीयर गैस गन , हैंड ग्रेनेड , मिर्ची बम आदि शस्त्रों को चला कर पूर्वाभ्यास किया गया साथ ही विभिन्न टीमें बनाकर दंगा नियत्रंण हेतु अमल में लाये जाने वाले सभी विधिक प्रावधानों का क्रमवार अभ्यास किया गया । इस दौरान प्रतिसार निरीक्षक श्री रजनीकांत ओझा सहित अन्य अधिकारी तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रभु राम की प्राप्ति हेतु त्याग व समर्पण जरूरी : महंत गणेश दास

श्रीरामजानकी मंदिर (मठ) कसया पर श्रीराम महयज्ञ का सातवां दिन

प्रखर कुशीनगर। कसया नगर स्थित श्रीरामजानकी मंदिर (मठ) में चौदहवें वर्ष दस दिवसीय श्रीराम महायज्ञ के सातवें दिन मंगलवार को श्री अवध बिहारी कुंज, अयोध्या धाम से आये कथा वाचक महंत गणेश दास महाराज ने श्रीराम कथा की अमृत वर्षा कराते हुए चित्रकूट में श्रीराम और भरत जी के मिलाप की मार्मिक कथा का वर्णन किया।

आपने कहा कि जीवन में त्याग व समर्पण से प्रभु राम को पाया जा सकता है। ईश्वर की प्राप्ति के लिए जीव को लौकिक सुखों का मोह छोड़ना पड़ेगा। भगवान सदैव जीव के पास रहते हैं लेकिन जीव को भरत जी जैसा बनना पड़ेगा। भरत जी का चरित्र बड़े बड़े ऋषियों के लिए भी अगम्य है। भरत जी त्याग के प्रतिमूर्ति हैं। उनका समर्पण और प्रेम आज के भाईयों के लिए अनुकरणीय है। भरत जी का चरित्र श्रवण करने मात्र से प्राणी संसार के समस्त कर्म बंधनों से मुक्त हो जाता है। कथा का प्रारंभ ई ओ नगर पालिका परिषद कुशीनगर शैलेन्द्र मिश्र द्वारा व्यास पीठ के पूजन से हुआ। संचालन डॉ0 हरिओम मिश्र

ने किया। इस दौरान यज्ञाचार्य रामजी पांडेय के देख रेख में श्रीराम महायज्ञ और अयोध्या धाम से आये संतो द्वारा अखंड सीता राम नाम संकीर्तन चलता रहा। यज्ञ मंडप की परिक्रमा हेतु श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस अवसर पर महंत त्रिभुवन शरण दास, व्यवस्थापक देव नारायण शरण, परशुराम दास, अवधेश भगवती, श्रवण तिवारी, विनय राव, राजू तिवारी, अमरीश मिश्र, नंदू मिश्र, अमरनाथ तिवारी, अजीत चौबे, मालती देवी, बाला पांडेय, चंद्र शेखर मिश्र, गीता देवी, ज्ञान प्रकाश मिश्र, गुड़िया देवी, रुद्रांश मिश्र, उत्कर्ष कुमार, कबीरा रंजन राव, शिब्बू राय, मिथिलेश सिंह, सुरेश गुप्ता, निशांत सिंह, मणि प्रकाश यादव, टिशू पांडेय, शिवम राय, दिव्यांशु, रिद्धिमा, खुशी आदि उपस्थित रहे।

ट्रेन से कटकर 26 वर्षीय युवक की मौत, आधार व पैन कार्ड से हुई शिनाख्त

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गोरखपुर वाराणसी रेलमार्ग पर सादात रेलवे स्टेशन के पास सोमवार की शाम शालीमार एक्सप्रेस से कटकर एक युवक ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पर पहुंची सादात थाने की पुलिस ने घटनास्थल जीआरपी औड़िहार के कार्यक्षेत्र का होने के कारण जीआरपी को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने मृत युवक की जेब से मिले आधार कार्ड और पैन कार्ड के आधार पर उसकी शिनाख्त अब्बास मेंहदी उम्र 26वर्ष पुत्र मोहम्मद मेंहदी निवासी हल्दौर थाना डुमरियागंज जनपद सिद्धार्थनगर के रूप में की। मृतक की जेब से पुलिस भर्ती परीक्षा का प्रवेश पत्र भी बरामद किया गया। बताया गया कि गोरखपुर वाराणसी रेलमार्ग पर रन थ्रू जाने वाली शालीमार एक्सप्रेस शाम करीब पौने छह बजे सादात रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो से गुजर रही थी। स्टापेज न होने के कारण ट्रेन धीमी गति से गुजर रही थी। शंका जताई गयी कि उसी दौरान युवक चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश में ट्रेन से नीचे गिर पड़ा होगा।

नाले का निर्माण कार्य दिए गए समय पर किया जाए पूर्ण : ज्वाइंट मजिस्ट्रेट

प्रखर गोरखपुर। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर मृणाली अविनाश जोशी गोद्धोईया पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया जिससे समय रहते हुए नल का निर्माण कार्य कराकर गोरखपुर के विकास कार्यों को चार चांद लगाया जा सके। गोद्धोईया नाले का निर्माण मार्च 2025 तक दिए गए समय अनुसार हर हालत में पूर्ण कर लेना होगा कार्यों व गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी नाले के इंटरसेप्शन, डायवर्जन और ट्रीटमेंट प्लांट का काम भी इसी के साथ खत्म हो जाना चाहिए। इसमें लापरवाही बिलकुल नहीं होनी चाहिए गोड़धोइया नाले के दोनों तरफ इंटरसेप्ट सीवर लाइन डाली जाएगी। इस सीवर लाइन को एसटीपी से जोड़ा जाएगा। मार्च 2025 तक इसे बनाने का लक्ष्य निर्धारित है। नाला निर्माण के साथ ही सीवर लाइन भी डाली जाएगी। इससे 17 वार्डों के 2.20 लाख लोगों को फायदा होगा। अलग-अलग इंटरसेप्ट सीवर लाइन से इन वार्डों के गंदे पानी को एसटीपी में लाकर साफ कर दिया जाएगा। इसके बाद पानी

राप्ती नदी में छोड़ा जाएगा। पहले फेज में गोड़धोइया नाले के दोनों तरफ इंटरसेप्ट सीवरलाइन बिछाने के काम को पूरा किया जाना है। बताया कि इस मद में 474 करोड़ रुपये की स्वीकृत हो चुकी है। दरअसल, 9.7 किलोमीटर लंबे नाले का निर्माण काम शुरू हो गया है।

लखनऊ में आयोजित जीबीसी 4.0 के मुख्य कार्यक्रम का सभागार में दिखाया गया सजीव प्रसारण

बलिया। जनपद स्तरीय ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट स्थित गंगा बहुउद्देशीय सभागार में किया गया। यहां पर लखनऊ में आयोजित जीबीसी 4.0 कार्यक्रम में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य

जनपद में निवेश के लिए अनुकूल माहौल, बिना संकोच के निवेश करें उद्यमी: डीएम

मंत्रियों के संबोधन का सजीव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर जिलाधिकारी रविंद्र कुमार और मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज सहित जनप्रतिनिधियों एवं उद्यमियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद के 36 निवेशकों द्वारा प्रतिभाग किया

गया। जनपद में 42 निवेशकों का कुल निवेश 1632.73 करोड़ रुपए का है जिससे 1948 लोगों को रोजगार का अवसर प्राप्त हो सकेगा। इस कार्यक्रम में शामिल जनपद के उद्यमियों ने जनपद में उद्यम स्थापित करने को लेकर अपनी बात रखी।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आज हम सभी लोगों के लिए बड़ा दिन है, पिछले वर्ष के ग्लोबल इन्वेस्टर्स सबमिट 2023 में 95 एम?ओयू हुए थे, उसके बाद से निवेशकों के विभिन्न समस्याओं का निराकरण विभिन्न बैठकों जैसे व्यापार एवं उद्योग बंधु की बैठक, जमीन से संबंधित मामलों के संबंध में किसानों से वार्ता के माध्यम से कराया गया है, उसके फलस्वरुप यह जीबीसी सम्पन्न हुई है। कहा कि निवेशकों में सबसे बड़ा निवेश ए०म०पी० एनर्जी इंडिया का है जो 476 करोड़ रुपए का है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के साथ-साथ जनपद में भी उद्यमियों को निवेश करने का अनुकूल माहौल है वे बिना किसी संकोच के निवेश करें। उद्यमियों /व्यापारियों की किसी भी समस्या का निस्तारण कराना शासन प्रशासन के सर्वोच्च प्राथमिकता में है। जनपद से सटा हुआ पूर्वांचल एक्सप्रेसवे है, जिसके माध्यम से उद्यमियों को अच्छी कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। कहा कि बलिया विकास के मार्ग पर अग्रसर हो,ऐसी हमारी मंशा है,इसके लिए उन्होंने उद्यमियों को जनपद में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम का संचालन परियोजना निदेशक उमेश मणि त्रिपाठी ने किया।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, उपायुक्त उद्योग मायाराम सरोज सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि और जनपद के उद्यमी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पीपीएफएएस का नया फंड आफर आज खुलेगा

नई दिल्ली। पीपीएफएएस म्युचुअल फंड ने पराग पारिख डायनामिक असेट एलोकेशन फंड को लांच करने की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड फंड है। नया फंड ऑफर 20 से 22 फरवरी तक उपलब्ध होगा। स्कीम का निवेश उद्देश्य इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव और निश्चित आय उपकरणों में निवेश के जरिए दीर्घकालिक रिटर्न हासिल करना है। इक्विटी उपकरणों और निश्चित आय के बीच आवंटन को गतिशील रूप से प्रबंधित किया जाएगा ताकि गिरावट से उत्पन्न होने वाले जोखिम का प्रबंधन करते हुए दीर्घकालिक रिटर्न हासिल किया जा सके। इस योजना में न्यूनतम निवेश 5,000 रुपये होगा। यह योजना 28 फरवरी, 2024 को फिर से खुलेगी। यह जानकारी पीपीएफएएस असेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष/सीईओ नील पी. पारिख ने दी।

एमएसएमई सशक्त बनेंगे

नई दिल्ली। यूपी में कपड़ा, चमड़ा, शिल्प, आभूषण और पाक कला जैसे स्थानीय उद्योगों में लगे एमएसएमई को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए सीआईआई और मास्टरकार्ड सेंटर फार इंक्लूसिव ग्रोथ प्रोजेक्ट लोगों के बीच सकारात्मक बदलाव लेकर आया है। सीआईआई के को-चेयरमैन, एम. पोन्नुस्वामी ने कहा कि यह पहल वैश्विक स्तर पर पारंपरिक व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल संसाधनों का उपयोग करके स्थानीय उद्यमियों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। विशेष रूप से, इसने सूक्ष्म और लघु व्यवसाय मालिकों के बीच डिजिटल भुगतान के उपयोग को बढ़ावा दिया है, वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित किया है।

एयर एशिया की नई सेवा

तिरुवनंतपुरम। विमानन कंपनी एयर एशिया बरहाद 21 फरवरी से तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से मलयेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के लिए सीधी उड़ान संचालित करेगी। हवाई अड्डे की ओर से जारी बयान के अनुसार, एयर एशिया बरहाद 180 यात्रियों की क्षमता वाले एयरबस 320 विमान के साथ यह संचालन करेगी। बयान के अनुसार, शुरुआत में विमान मंगलवार, बृहस्पतिवार, शनिवार और रविवार को रात 11 बजकर 50 मिनट पर तिरुवनंतपुरम पहुंचेगा और देर रात 12 बजकर 25 मिनट पर यहां से रवाना होगा।

बायजू के इश्यू को प्रतिबद्धता

नई दिल्ली। एडटेक प्रमुख थिंक एंड लर्न को राइट्स इश्यू के जरिए निवेशकों से 30 करोड़ डालर की प्रतिबद्धता मिली है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बायजू ब्रांड नाम के तहत संचालन करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न ने 22-25 करोड़ अमेरिकी डालर उद्यम मूल्यांकन पर 20 करोड़ अमेरिकी डालर जुटाने के लिए जनवरी में राइट्स इश्यू जारी किया था। यह फरवरी अंत में बंद होगा। एक सूत्र ने बताया, 'अभी तक बायजू को राइट्स इश्यू से करीब 30 करोड़ डालर की कुल प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है।

पेटीएम के शेयर उछले

नई दिल्ली। पेटीएम ब्रांड का मालिकाना हक रखने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयर में सोमवार को पांच प्रतिशत का उछाल आया। बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयर क्रमशः पांच प्रतिशत चढ़कर 358.55 रुपये और 358.35 रुपये पर पहुंच गए। आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड साधन, वॉलेट एवं फास्टैग में 29 फरवरी 2024 के बाद जमा या टॉप-अप स्वीकार न करने का 31 जनवरी को निर्देश दिया था। आदेश के बाद से ही शेयर में गिरावट आई है।

आईपीओ का प्राइस बैंड तय

नई दिल्ली। आईएलएस हॉस्पिटल्स ब्रांड के अंतर्गत अस्पताल संचालित करने वाली जीपीटी हेल्थकेयर आईपीओ के लिए 177-186 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का आईपीओ 22 से 26 फरवरी तक खुलेगा। बड़े (एंकर) निवेशक एक दिन पहले यानी 21 फरवरी को शेयर खरीद के लिए बोली लगा सकेंगे। आईपीओ में 40 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, निजी इक्विटी कंपनी बनयानट्री ग्रोथ कैपिटल-दो 2.6 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी करेगी।*(एजेंसियां)*

शीर्ष 100 लक्जरी ज्वेलरी ब्रांड में छह भारतीय ब्रांड को मिली जगह

■ भारतीय ब्रांड में मालाबार गोल्ड अव्वल, टाइटन, कल्याण ज्वेलर्स, जॉय अलुक्कास, सेनको गोल्ड व थंगामायिल ज्वेलरी को भी जगह

मुंबई (भाषा)।

मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स और टाइटन के साथ ही पांच अन्य भारतीय आभूषण कंपनियां शीर्ष 100 लक्जरी ज्वेलरी विनिर्माताओं की वैश्विक सूची में शामिल हैं।

इस सूची में 19वें स्थान के साथ मालाबार गोल्ड अग्रणी घरेलू कंपनी है। इसके बाद टाटा समूह की इकाई टाइटन कंपनी को 24वां स्थान मिला है। आभूषण विनिर्माता कल्याण ज्वेलर्स और जॉय अलुक्कास को डेलॉयट वैश्विक लक्जरी सामान सूची 2023 में क्रमशः 46वां और 47वां स्थान मिला।

इस सूची में शामिल अन्य दो भारतीय आभूषण विनिर्माता सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स और थंगामायिल ज्वेलरी हैं, जिन्हें क्रमशः 78वां और 98वां स्थान मिला। विविध क्षेत्रों में काम करने वाली फ्रांस की लक्जरी कंपनी एलवीएमएच इस सूची में शीर्ष पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में लक्जरी सामान की मांग और बढने की उम्मीद है, जिससे घरेलू ब्रांड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे।

शीर्ष 100 लक्जरी सामान विक्रेताओं ने 2023 में 347 अरब डालर का कारोबार किया, जो सालाना आधार पर 13.4 प्रतिशत की वृद्धि है।

पुरानी कर मांग वापस लेने के मामले

प्रति करदाता तय की गई एक लाख रुपए की सीमा

नई दिल्ली (भाषा)।

आयकर विभाग ने छोटी कर मांगों को वापस लेने को लेकर बजट में की गई घोषणा के तहत प्रति करदाता एक लाख रुपये तक की सीमा निर्धारित की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024-25 के लिए अपने अंतरिम बजट भाषण में आकलन वर्ष 2010-11 तक 25,000 रुपये और आकलन वर्ष 2011-12 से 2015-16 तक 10,000 रुपये तक की बकाया प्रत्यक्ष कर मांगों को वापस लेने की घोषणा की। इसमें शामिल कुल कर मांग करीब 3,500 करोड़ रुपये है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 2024-25 के अंतरिम बजट में की गई घोषणा को अमल में लाने के लिए यह आदेश जारी किया। सीबीडीटी ने आदेश में कहा है कि 31 जनवरी, 2024 तक आयकर, संपत्ति कर और उपहार कर से संबंधित ऐसी बकाया कर मांगों को माफ करने को लेकर प्रति करदाता के लिए एक लाख रुपये की अधिकतम सीमा तय की गई है। एक लाख रुपये की सीमा में कर मांग की मूल राशि, ब्याज, जुर्माना या शुल्क, उपकर, अधिभार शामिल है।

आयकर अधिनियम के टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) या टीसीएस (स्रोत पर कर संग्रह) प्रावधानों के तहत कर कटौती करने वालों कर संग्राहकों के खिलाफ की गयी मांगों पर यह छूट लागू नहीं होगी। नांगिया एंडरसन इंडिया के भागीदार मनीष बावा ने कहा कि निर्देश यह स्पष्ट करता है कि यह छूट करदाताओं को 'क्रेडिट' या 'रिफंड' के किसी भी दावे का अधिकार नहीं देता है। इसके अतिरिक्त, छूट करदाता के खिलाफ चल रही, नियोजित या संभावित आपराधिक कानूनी कार्यवाही को प्रभावित नहीं करेगी और किसी भी कानून के तहत कोई प्रतिरक्षा प्रदान नहीं करती है।

- बजट भाषण में वित्त मंत्री ने किया था पुरानी कर मांगें वापस लेने का ऐलान
- आकलन वर्ष 2010-11 तक 25 हजार रुपये की कर मांगें वापस लेने का किया था ऐलान
- वर्ष 2011 से 2016 तक 10 हजार रुपये तक की मांगें वापस लेने की हुई थी घोषणा
- प्रति करादता अधिकतम एक लाख रुपये तक की मिलेगी छूट
- एक लाख रुपये की सीमा में मूल राशि, जुर्माना, उप कर अधिकार व ब्याज होंगे शामिल
- आयकर, सपंत्ति कर और उपहार कर से जुड़ी मांगों पर ही होगा विचार

खनिज क्षेत्र के विकास के लिए प्रोत्साहन जरूरी

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत के महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र के विकास के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे में निवेश, विदेशों में खनन संचालन तथा अनुकूल नियामक परिवेश जैसे उपाय जरूरी हैं। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपने महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है क्योंकि यह उच्च तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए महत्वपूर्ण है। भारत वर्तमान में चीन, कांगो, चिली, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, अर्जेंटीना, वियतनाम, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से आयात पर निर्भर है। लिथियम, क्रोमियम, कोबाल्ट, एंटीमनी, आर्सेनिक, बैराइट, बेरिलियम, बिस्मथ, सीज़ियम, फ्लोरस्पार, गैलियम, जर्मेनियम, ग्रेफाइट, हेफ़नियम और अन्य जैसे महत्वपूर्ण खनिज आधुनिक प्रौद्योगिकियों के लिए अपरिहार्य हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, वे मोबाइल फोन, फ्लैट-स्क्रीन मॉनिटर, पवन टरबाइन, ईवी, सौर पैनल, ड्रोन, विमान इंजन, उपग्रह तथा पेसमेकर सहित विभिन्न उच्च-तकनीकी अनुप्रयोगों के निर्माण का अभिन्न अंग हैं।

डीपफेक पर कसा शिकंजा

■ मार्च से व्हाट्सऐप पर शुरू होगी हेल्पलाइन ■ इसके लिए मेटा व एमसीए ने किया करार

नई दिल्ली (भाषा)।

मिस इनफॉर्मेशन कॉम्बैट अलायंस (एमसीए) और मेटा ने व्हाट्सऐप पर तथ्य-जांच हेल्पलाइन उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इसका मकसद डीपफेक और एआई-जनित भ्रामक सामग्रियों से निपटना है। यह सेवा मार्च, 2024 में जनता के लिए उपलब्ध होगी।

डीपफेक पर नकेल कसने का संकल्प ऐसे समय में आया है जब दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र आम चुनाव की तैयारी कर रहा है। इस साल अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव होने हैं। एक बयान के अनुसार एमसीए और मेटा कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल करके बनाई गई सामग्री से निपटने के प्रयास के तहत व्हाट्सऐप पर तथ्य-जांच हेल्पलाइन शुरू करने पर काम कर रहे हैं।

कृत्रिम मेधा (एआई) से बनी सामग्री सार्वजनिक हित के मामलों में लोगों को धोखा दे सकती है। ऐसी सामग्री को आमतौर पर डीपफेक कहा जाता है। इस सेवा का मकसद लोगों को सत्यापित और विश्वसनीय जानकारी से जुड़ने में सहायता करना है।' बयान के मुताबिक, यह सेवा मार्च, 2024 से उपलब्ध होगी। एमसीए व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाले सभी 'इनबाउंड' संदेशों को प्रबंधित करने के लिए एक 'डीपफेक विश्लेषण इकाई' स्थापित करेगा।

मेटा के निदेशक (सार्वजनिक नीति भारत) शिवनाथ ठुकराल ने इस साझेदारी पर कहा, 'हम एआई से उत्पन्न गलत सूचना की चिंताओं को पहचानते हैं और मानते हैं कि इससे निपटने के लिए पूरे उद्योग में ठोस तथा सहकारी उपायों की आवश्यकता है।' मिस इनफॉर्मेशन कॉम्बैट अलायंस के अध्यक्ष भरत गुप्ता ने कहा कि 'डीपफेक विश्लेषण इकाई' (डीएयू) भारत में सोशल मीडिया तथा इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के बीच एआई से उत्पन्न गलत सूचना के प्रसार को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।

सोशल मीडिया

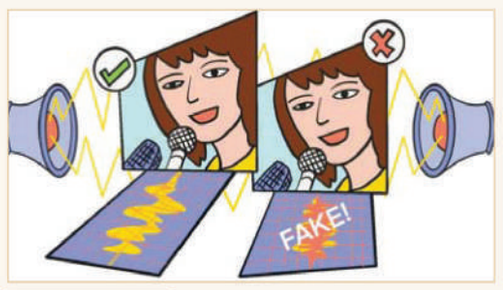

किसे कहते हैं डीपफेक

डीपफेक सोशल मीडिया पर प्रसारित ऐसे कंटेट को कहा जाता है जो एआई का इस्तेमाल करके बनाए जाते हैं। इन संदेशों में ऐसे संदेश शामिल होते हैं जिनमें किसी भी व्यक्ति का फोटो और उसकी आवाज का गलत इस्तेमाल किया जाता है।

- हेल्पलाइन पर डीप फेक मामलों की कर सकेंगे शिकायत
- डीपफेक सामग्री से द्विगभ्रमित होते हैं सोशल मीडिया के यूजर्स
- इन मामलों के कई दुष्परिणाम भी आ रहे हैं लोगों के सामने
- इनबाउंड संदेशों को रोकने के लिए बनेगी डीपफेक विश्लेषण इकाई
- इससे गलत संदेश रोकने में मिलेगी मदद

बुजुर्गों के लिए अनिवार्य बचत योजनाओं की जरूरत

■ नीति आयोग ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए कर सुधारों व आवास की वकालत भी की

नई दिल्ली (भाषा)।

नीति आयोग ने बुजुर्गों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कर सुधारों, अनिवार्य बचत और आवास योजनाओं की वकालत की है।

आयोग के मुताबिक 2050 तक देश की आबादी में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 19.5 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। नीति आयोग ने एक रिपोर्ट में कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल विकसित किया जाना चाहिए।

इसमें कहा गया, 'चूंकि भारत में सामाजिक सुरक्षा ढांचा सीमित है, इसलिए अधिकांश वरिष्ठ नागरिक अपनी बचत से मिलने वाली आय पर निर्भर रहते हैं। ब्याज दरों में कमी होने की स्थिति में उनकी आय में कमी आती है। कभी-कभी यह आजीविका से भी कम हो जाती है।'

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसलिए वरिष्ठ नागरिक जमा पर मिलने वाली ब्याज के लिए एक न्यूनतम दर तय करने के लिए एक नियामक व्यवस्था की जरूरत है। 'भारत में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल में सुधार वरिष्ठ देखभाल प्रतिमान की पुनर्कल्पना शीर्षक से जारी रिपोर्ट में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि बुजुर्ग महिलाओं को अधिक रियायत देने से उनकी वित्तीय स्थिति बेहतर होगी। भारत में इस समय बुजुर्गों की आबादी कुल जनसंख्या का 10 प्रतिशत से कुछ अधिक है।

- देश में तेजी से बढ़ रही है बुजुर्गों की जनसंख्या
- वर्ष 2050 तक देश में गरीबों की आबादी कुल आबादी का 19.5% होगी

मत्स्य पालन विभाग का ओएनडीसी से करार

नई दिल्ली (भाषा)।

मत्स्य पालन विभाग ने सोमवार को ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कामर्स (ओएनडीसी) मंच के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला, इसी मंत्रालय में राज्यमंत्री एल मुरुगन, मत्स्य पालन सचिव अभिलक्ष लिखी और ओएनडीसी के प्रबंध निदेशक टी कोशी मौजूद थे।

एक आधिकारिक बयान में रूपाला के हवाले से कहा गया कि यह एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन है। यह सहयोग भारतीय मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए डिजिटल वाणिज्य की क्षमता को खोलेगा। उन्होंने कहा कि इससे मत्स्य पालन उद्योग के लिए लेनदेन लागत में कमी आएगी, बाजार पहुंच बढ़ेगी, पारदर्शिता में सुधार होगा, प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

शेयरों में पांचवें दिन भी रही तेजी

मुंबई (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार पाचवें दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 281 अंक चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी नए शिखर पर पहुंच गया। वित्तीय और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी से बाजार लाभ में रहा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 281.52 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72,708.16 अंक पर बंद हुआ। मजबूत शुरुआत के बाद सेंसेक्स एक समय 72,881.93 अंक के उच्चस्तर तक चला गया था। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में 17 लाभ में जबकि 13 नुकसान में रहे।

पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 81.55 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ अबतक के उच्चतम स्तर 22,122.25 अंक पर रहा।

बैंक, औषधि और पेट्रोलियम शेयरों में तेजी से कारोबार के दौरान यह रिकार्ड 22,186.65 अंक तक चला गया था। निफ्टी के 27 शेयर लाभ में रहे, जबकि 23 में गिरावट रही।

बीएसई का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 391.69 लाख करोड़ रुपये के रिकार्ड स्तर पर

मुंबई (भाषा)। घरेलू शेयर बाजार में लगातार पांचवें सत्र में जारी तेजी के बीच सोमवार को निवेशकों की पूंजी 2.20 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई और बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल पूंजीकरण 391.69 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। तेजी के इस माहौल में बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,19,581.56 करोड़ रुपये बढ़कर 3,91,69,087.01 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

राजाध्यक्ष ने वित्त आयोग की सदस्यता पर असमर्थता जताई

नई दिल्ली (भाषा)।

सोलहवें वित्त आयोग का सदस्य बनाए गए 'अर्थ ग्लोबल' के कार्यकारी निदेशक निरंजन राजाध्यक्ष ने निजी कारणों से इसके लिए असमर्थता जताई है। मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी।

सरकार ने 31 जनवरी को 16वें वित्त आयोग के गठन की अधिसूचना जारी करते हुए अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में आयोग के चार सदस्यों की नियुक्ति की थी। इसमें राजाध्यक्ष के अलावा पूर्व व्यय सचिव अजय नारायण झा और सेवानिवृत्त नौकरशाह एनी जॉर्ज मैथ्यू को आयोग के पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया गया था।

रबड़ पर आयात शुल्क में नहीं की जाएगी कमी

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार फिलहाल रबड़ पर आयात शुल्क में कटौती पर विचार नहीं कर रही है क्योंकि स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय कीमतों के बीच अंतर अब भी बरकरार है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने यहां पत्रकारों से कहा, 'स्थानीय उत्पादन की तुलना में हम जो आयात प्राप्त कर रहे हैं, उसके लिए हमने पहले से ही एक अंतर बनाए रखा है।'

उन्होंने कहा, 'यदि आप स्थानीय कीमत की अंतरराष्ट्रीय मूल्य से तुलना करें। तो उस आयात शुल्क के कारण ही अंतर बना हुआ है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अभी आयात शुल्क कम करने पर कोई पुनर्विचार किया जा रहा है।' उद्योग के घरेलू उपयोगकर्ता की शुल्कों में कटौती की मांग और स्थानीय उत्पादकों की किसी भी शुल्क कटौती के खिलाफ मांग के बारे में किए सवाल पर उन्होंने यह बात कही। टायर विनिर्माता इस वस्तु के प्रमुख उपभोक्ताओं में से एक हैं।

देश में 13 लाख से अधिक रबड़ उत्पादक हैं। उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा केरल का है। रबड़ का उत्पादन 2022-23 में 8.39 लाख टन था, उस वित्त वर्ष में खपत 13.5 लाख टन थी।

आईफोन के हैकिंग अलर्ट पर एपल का जवाब साफ नहीं

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार विपक्षी दलों के नेताओं को आईफोन विनिर्माता एप्पल की तरफ से पांच महीने पहले भेजे गए हैकिंग संबंधी अलर्ट पर अभी भी कंपनी की तरफ से स्पष्ट जवाब का इंतजार कर रही है।

एपल ने इस संदेश में विपक्षी नेताओं को आगाह किया था कि कथित तौर पर सरकार-समर्थित हैकर उनके फोन की हैकिंग के प्रयास कर रहे हैं। इस पर सरकार की तरफ से एप्पल से कुछ स्पष्टीकरण मांगा गया था। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने एक बातचीत में कहा कि सरकार ने एपल से दो सवाल पूछे हैं। पहला सवाल उनके उपकरणों के सुरक्षित होने से संबंधित है जबकि दूसरा सवाल विपक्षी सदस्यों को अलर्ट भेजने की वजह से जुड़ा है। चंद्रशेखर ने कहा, 'मेरी राय में यह ऐसी बात नहीं है जिसे कोई भी मंच कमजोरियां होने पर भी पूरी तरह से स्वीकार करेगा। किसी भी मंच में इस बात से इनकार करने की प्रवृत्ति होती है कि उनके सुरक्षा कवच को भेदा जा सकता है।'

चंद्रशेखर ने कहा, 'हम कंपनी से एक स्पष्ट सवाल पूछ रहे हैं कि क्या आपका फोन असुरक्षित है? इसका जवाब पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है।' अक्टूबर में विपक्षी दलों के कई नेताओं ने दावा किया था कि उन्हें एप्पल से एक अलर्ट मिला है जिसमें राज्य-प्रायोजित हमलावरों द्वारा उनके आईफोन को दूर से ही नियंत्रित करने की कोशिश और सरकार की तरफ से कथित हैकिंग की चेतावनी दी गई।

एपल की तरफ से यह अलर्ट पाने का दावा करने वाले नेताओं में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी नेता शशि थरूर, पवन खेड़ा, के सी वेणुगोपाल, सुप्रिया श्रीनेत, टीएस सिंहदेव और भूपिंदर एस हुडा शामिल हैं। इनके अलावा तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा, सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी हैकिंग अलर्ट मिलने की बात कही थी।

चाय निर्यात घटकर 20.71 करोड़ किलोग्राम पर

कोलकाता (भाषा)। कैलेंडर वर्ष 2023 के पहले 11 महीनों में भारत से चाय का निर्यात 1.17 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 20.71 करोड़ किलोग्राम रहा है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। वर्ष 2022 की समान अवधि में देश से 20.96 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात किया गया था। वहीं पूरे कैलेंडर साल 2022 में कुल 23.10 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात हुआ था। चाय बोर्ड की तरफ से जारी निर्यात आंकड़ों के मुताबिक, बीते साल की जनवरी-नवंबर अवधि में मुख्य रूप से असम और पश्चिम बंगाल जैसे उत्तर भारत के क्षेत्र से निर्यात घटा है। यह एक साल पहले की समान अवधि के 13.22 करोड़ किलोग्राम से घटकर 12.52 करोड़ किलोग्राम रह गया। आंकड़ों के मुताबिक, 2023 के पहले 11 महीनों में दक्षिण भारत से निर्यात जनवरी-नवंबर, 2022 के 7.73 करोड़ किलोग्राम की तुलना में बढकर 8.18 करोड़ किलोग्राम हो गया।

Entertainment News

जान्हवी कपूर की लुक्स ने फैंस को बनाया दीवाना

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस इन दिनों अपने कई सारे आने वाले प्रोजेक्ट्स पर भी जान्हवी कपूर काम कर रही है। ऐसे में हसीना ने अपनी कुछ बेहद जबरदस्त तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की हैं। जैसे ही तस्वीरें सामने आईं लोग हैरान हैं और कई तरह से रिएक्ट कर रहे हैं। इस दौरान जान्हवी कपूर की व्हाइट ड्रेस ने लोगों का ध्यान खींचा है। सबसे ज्यादा चर्चा उनकी ब्रा की हो रही है जो कि मोतियों से बनी थी। मोतियों की ब्रा में जान्हवी ने घूम घूमकर पोज दिए हैं। कुछ क्लोजअब शॉट्स भी हैं जो कि आपको हैरान करने के लिए काफी हैं। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर जान्हवी कपूर ने इन तसवीरों के साथ किसी तरह का कोई कैप्शन नहीं लिखा है। हालांकि वो काफी कमाल की लग रही हैं। ब्रालेट के अलावा उनका नेकलेस भी पूरी तरह से मोतियों का ही जो कि लुक्स में चार चांद लगा रहा है। बाल खुले करके पोज देंती जान्हवी कपूर के फैंस उनपर पूरी तरह से फिदा हो गए हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि वो जान्हवी की इस अदा के कायल हैं।

वरुण बनने वाले हैं पापा, दिखाया प्रेग्नेंट पत्नी नताशा का बेबी बंप

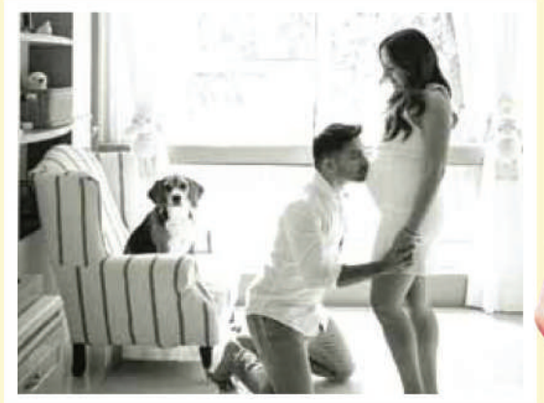

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन बहुत जल्द पापा बनने वाले हैं। वरुण धवन की पत्नी नताशा दलाल अपने पहले बच्चे के साथ प्रेग्नेंट हैं। वरुण धवन ने ये गुड न्यूज़ सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ शेयर की है। तस्वीर में वरुण धवन की पत्नी नताशा अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं और वरुण उनके बेबी बंप पर किस करते नजर आ रहे हैं। वरुण धवन ने पत्नी नताशा की पहली प्रेग्नेंसी अनाउंस करते हुए इस तस्वीर के कैप्शन में फैंस से दुआएं मांगी हैं। उन्होंने लिखा, हम प्रेग्नेंट हैं, हमे आपकी दुआओं और आशीर्वाद की जरूरत है। एक्टर का ये पोस्ट मिनटों में वायरल हो गया है और फैंस के साथ साथ तमाम सेलेब्स भी उन्हें खास अंदाज में बधाईयां और शुभकामनाएं दे रहे हैं।

यूपी पुलिस भर्ती के एडमिट कार्ड पर छपी सनी लियोनी की फोटो

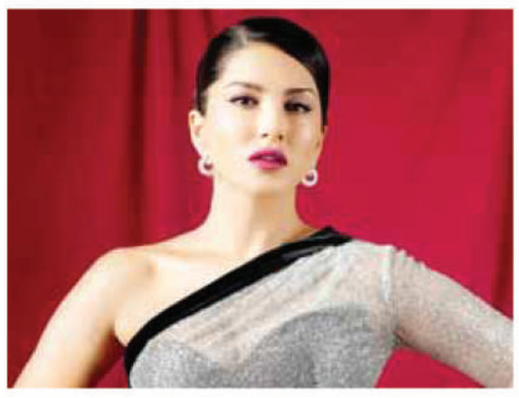

सनी लियोनी एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फैन बेस बनाया है। इसलिए, उनके बारे में कोई भी खबर जंगल की आग की तरह फैलती है। फिलहाल, एक्ट्रेस की फोटो वाला एक एग्जाम एडमिट कार्ड ऑनलाइन वायरल हो रहा है। हाल ही में, उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के एडमिट कार्ड से जुड़ी उनकी एक तस्वीर वायरल होने के बाद सनी लियोनी ध्यान खींच रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एडमिट कार्ड में उम्मीदवार का नाम सनी लियोनी लिखा है और उस पर एक्ट्रेस की फोटो है। रजिस्ट्रेशन उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती और प्रमोशन बोर्ड की वेबसाइट पर इसी जानकारी के साथ किया गया था और एडमिट कार्ड पर एग्जाम की तारीख 17 फरवरी थी। आपको बता दें कि एडमिट कार्ड पर एग्जामिनेशन सेंटर कन्नौज की तिर्वा तहसील में श्रीमती सोनेश्री मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज बताया गया है। मामला सामने आने के बाद कन्नौज पुलिस की साइबर सेल ने मामले की जांच शुरू की। आपको बता दें, एक्ट्रेस की शादी डेनियल वेबर से हुई है और उन्होंने एक बेटी, निशा कौर वेबर को गोद लिया है। बाद में सरोगेसी के जरिए उन्हें दो लड़के हुए जिनका नाम उन्होंने अशेर सिंह वेबर और नोआ सिंह वेबर रखा। एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में फिल्म जिस्म 2 से हिंदी फिल्म में डेब्यू किया था।

Bollywood Update

ओपनहाइमर ने बाफ्टा अवाड्र्स में गाड़े झंडे, दीपिका के देशी लुक ने जीता दिल

हॉलीवुड की दमदार फिल्म ओपेनहाइर की जिसके बाफ्टा अवार्डस 2024 में धूम मचा दी है। इस फिल्म के नाम कई अवॉर्ड्स हुए हैं जिससे मेकर्स और फैंस खुश हैं। इस फिल्म को बेस्ट एक्टर से लेकर बेस्ट डायरेक्टर तक के सारे अवॉर्ड्स मिले हैं। जैसे ही ये खबर सामने आई लोग हैरान हैं और सोशल मीडिया

पर तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साल 2023 में आई इस फिल्म को लेकर किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि ये बेस्ट फिल्म बन जाएगी। इसके अलावा बाफ्टा 2024 में पहुंची दीपिका पादुकोण के लुक को लेकर चर्चा है। इस दौरान वो बैकलेस येला साड़ी में कहर ढ़ा रहीं थीं। दीपिका पादुकोण को अवॉर्ड प्रजेंटर रूप में देखा गया था। इसके बाद उन्होने खुद सोशल मीडिया पर इसी लुक के साथ अपनी कुछ तस्वीरें साझा की थीं। दीपिका पादुकोण इस लुक में कातिलाना लग रही थीं। फैंस उनकी तस्वीरों पर कमेंट्स करते हुए तारीफ कर रहे हैं। आपको बता दें कि आखिरी बार दीपिका पादुकोण को फिल्म फाइटर में देखा गया था।

पति से अलग होने के बाद पहली बार दिखी ईशा देओल

भरत तख्तानी से अलग होने के ऐलान के बाद ईशा देओल एयरपोर्ट पर पहली बार स्पॉट हुईं। इस दौरान एक्ट्रेस व्हाइट क्रॉप टॉप, व्हाइट कैप और व्हाइट स्नीकर के साथ डेनिम जींस में दिखीं। ईशा का ये लुक उनके फैंस को खूब पसंद आया और एक्ट्रेस ने भी पैप्प के कहने पर खूब पोज दिए। ईशा पहले मुंबई एयरपोर्ट पर दिखीं और फिर गोवा एयरपोर्ट पर। जिससे ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि एक्ट्रेस रकुल और जैकी की शादी में शामिल होने के लिए आई हैं. ईशा देओल जैसे ही कार से नीचे उतरीं और पैप्स के कैमरे के सामने आईं तो उनका लुक फैंस को इंप्रेस कर गया। एक्ट्रेस एयरपोर्ट पर एकदम स्टाइलिश और किलर लुक में मिनटों में लाइमलाइट बटोर ले गईं।

रकुल और जैकी की शादी में होगा खास मेन्यू ग्लूटेन और शुगर फ्री बनेंगे पकवान

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी गोवा में शादी करने जा रहे हैं। ऐसे में अब कपल की वेडिंग मेन्यू को लेकर एक अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस कपल ने इंडियन और अंतर्राष्ट्रीय खाने के मेन्यू को डिजाइन करने के लिए एक खास शेफ को लाया गया है। शादी में भी फिटनेस का ध्यान रखने वाले मेहमान सुशी जैसी डिसेज भी रखी गई है।

ग्लूटेन और शुगर फ्री बनेंगे पकवान

इस कपल ने अपनी शादी में आए मेहमानों की सेहत का भी पूरा-पूरा ख्याल रखा है। कहा जा रहा है कि मेन्यू काफी हद तक ग्लूटेन फ्री और शुगर फ्री रहेगा। फिटनेस फिक्र मेहमानों के लिए अलग मेन्यू तैयार किया गया है। रकुल प्रीत सिंह खुद भी फिटनेस फिक्र हैं और हेल्दी डाइट में यकीन रखती हैं।

इको फ्रेंडली होगी शादी

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ईको-फ्रेंडली मैरिज करेंगे। ये दोनों अपनी खुशियों को सेलिब्रेट करते हुए प्रकृति का भी पूरा-पूरा ख्याल रख रहे हैं। इस कपल ने सभी मेहमानों को केवल ई-इनविटेशन कार्ड भेजा है। इसके अलावा शादी में किसी की तरह के कोई पटाखे नहीं फोड़े जाएंगे। इसके अलावा कहा जा रहा है कि ये कपल अपनी शादी में पेड़ भी लगाने वाला है। इसके लिए भगनानी और रकुल ने उन लोगों की टीम से बात की है कार्बन फुटप्रिंट का पता लगाते हैं और फिर पेड़ लगाते हैं। एक अनोखा कदम है। शादी के अगले दिन रकुल और जैकी खुद पेड़-पौधे लगाएंगे।

गोविंदा की भांजी का छलका दर्द

टीवी शो 'ससुराल गेंदा फूल' और 'रागिनी की बेटियां कुछ कर दिखाएंगी' से पॉपुलर हुईं एक्ट्रेस रागिनी खन्ना एक बार फिर चर्चा में हैं। रागिनी पिछले लंबे समय से स्क्रीन से गायब हैं। हाल ही में उन्होंने इसके पीछे की वजह का खुलासा किया। साथ ही कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक और आरती सिंह के साथ अपने बॉन्ड पर खुलकर बात की। आपको बता दें कि कृष्णा अभिषेक और आरती सिंह की तरह ही रागिनी खन्ना भी सुपरस्टार गोविंदा की भांजी हैं। गोविंदा 90 के दशक के सुपरस्टार थे। उनकी तरह ही उनकी भांजी रागिनी खन्ना भी शोबिज की दुनिया में आ गईं। हालांकि गोविंदा की भांजी होने का एक्ट्रेस को अपने करियर में कुछ खास फायदा नहीं मिल सका। ऐसा खुद

उनका कहना है।

मामा की वजह से नहीं हुआ फायदा

एक इंटरव्यू में रागिनी खन्ना ने अपने करियर पर बात की। दरअसल, एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या गोविंदा की भांजी होने का उनके करियर को फायदा मिला, इसपर एक्ट्रेस ने कहा, 'नहीं मिला।' रागिनी खन्ना ने कहा, 'वो बहुत बड़े स्टार हैं। पहली बात तो ये है कि मैं उनकी बेटी नहीं हूं। मैं नमू (टीना आहूजा) और यश से प्यार करती हूं। हम दोस्त हैं, लेकिन जब आप काम पर जाते हैं तो आपको उस तरह नहीं देखा जाता है। उनहोंने कहा, 'गोविंदा मेरे मामा हैं और मैं उनकी इज्जत करती हूं। मैं उनके परिवार के साथ टच में हूं। हालांकि पिछले चार साल से हम आपस में नहीं मिले लेकिन मैं घर जाती हूं तो उनसे मिलती हूं। सुनीता मामी से हर हर फंक्शन में बात करती हूं। कृष्णा और आरती भी भाईदूज, रक्षाबंधन और दिवाली के मौके पर बात करते हैं। मेरा सभी के साथ अच्छा बॉन्ड है।

विक्रांत मैसी ने बताया उन्होंने टीवी क्यों छोड़ा? कहा- 'इससे मुझे पैसे मिले लेकिन मुझे शांति नहीं मिली'

अभिनेता विक्रांत मैसी ने हाल ही में अपने करियर और पैसों के साथ रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। अनफि ल्टर्ड बाय सैमडिश के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में, अभिनेता ने बताया कि कैसे उन्होंने जीवन में पैसे और सम्मान के बारे में कुछ मूल्यवान सबक सीखे। बातचीत में विक्रांत ने खुलकर बात की और बताया कि जब उसके दोस्तों ने देखा कि वह कहां रहता है तो उसके साथ कैसे भेदभाव किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि जब उनके दोस्तों ने उनका घर देखा तो उनके प्रति उनका व्यवहार बदल गया। उन्होंने आगे कहा कि ह्लमैंने एक बार कॉलेज में अपने कुछ करीबी दोस्तों को घर बुलाया। मेरी माँ बहुत अच्छा खाना बनाती है, इसलिए मैंने सभी को खाने के लिए घर बुलाया। लेकिन जब उन्होंने मेरा घर देखा, प्लास्टिक की कुर्सियाँ, उखड़ा हुआ पेंट, टपकती छत, रसोई कितनी साफ-सुथरी नहीं है, तो उनका व्यवहार बदल गया... वे मेरे घर आने के एक घंटे के भीतर चले गए। बाद में मैंने उनमें मेरे घर के बारे में बुरा-भला कहते हुए चैट देखीं।"

टेलीविजन में करियर छोड़ रहे हैं- अभिनेता ने कहा कि इससे उन्हें लगा कि पैसा कमाना ही सम्मान पाने का उपाय है, लेकिन उन्हें एहसास हुआ कि इससे उन्हें शांति नहीं मिलती। उन्होंने कहा टीवी में काम करते हुए मैंने बहुत पैसा कमाया। मैंने अपना पहला घर 24 साल की उम्र में खरीदा था, मैं प्रति माह 35 लाख कमा रहा था। यह मेरे जैसे परिवार के किसी व्यक्ति के लिए बहुत बड़ी बात थी, जहां हमें गुजारा करने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने कहा घर खरीदने, कर्ज चुकाने, अपने माता-पिता को बेहतर जीवन देने के बाद भी मैं चैन से सो नहीं सका। मैंने उस स्तर पर नौकरी छोड़ दी क्योंकि अच्छा काम अधिक महत्वपूर्ण लगा। मेरी सारी बचत खत्म हो गई थी और शीतल (उनकी पत्नी) मुझे ऑडिशन में भाग लेने के लिए पैसे उधार देती थीं।

विक्रांत और शीतल- विक्रांत और शीतल ने 12 फरवरी, 2022 को एक नागरिक समारोह में शादी कर ली। उन्होंने 7 फरवरी को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। बालिका वधू और कुबूल है जैसे हिट टेलीविजन शो में काम करने के बाद, विक्रांत ने फिल्मों में अपना करियर बनाने के लिए टेलीविजन छोड़ दिया। उनकी पहली सिल्वर स्क्रीन भूमिका 2013 की फिल्म लुटेरा में थी। उनकी सबसे हालिया फिल्म 12वीं फेल विधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित थी और जबरदस्त सफल रही थी।

खेल और खिलाड़ियों को सुविधाएं देने में कोई कमी नहीं रखेगी प्रदेश सरकार

मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में सीएम ने किया ऐलान

भोपाल । मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ द्वारा सोमवार को अभिनंदन समारोह का आयोजन समन्वय भवन में किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री, कैलाश विजयवर्गीय, खेल एवं युवक कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, विधायक एवं मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के अध्यक्ष रमेश मेंदोला, विधायक संदीप जयसवाल, ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह, अपर मुख्य सचिव खेल एवं युवक कल्याणस्मिता घाटे सहित वरिष्ठ अधिकारी, खिलाड़ी तथा खेल प्रेमी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का शाल, श्रीफल, बड़ी माला और राजाभोज की प्रतिमा भेंट कर सम्मान किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश खेलों के क्षेत्र में पूरे देश में आगे जाएगा। राज्य सरकार से खेलों के लिए मूलभूत सुविधाएं तो मिल ही रही हैं, भविष्य में खिलाड़ियों को और अधिक सुविधाएं दी जाएंगी। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के खिलाड़ी कबड्डी, कुश्ती के अलावा सभी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रशिक्षकों को पदोन्नत करने का निर्णय लिया है। हर जिले में एक एक्सीलेंस कॉलेज बनेगा।

ओलंपिक संघ को मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान से 11 लाख रुपए की घोषणा

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में 2036 और 2040 के ओलंपिक खेलों की तैयारी भी अभी से शुरू कर दी गई है। सरकार समय रहते खेलों और खिलाड़ियों की चिंता कर रही है। प्रदेश में स्पोर्टस डिपार्टमेंट के साथ-साथ उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा आदि के साथ मिलकर खेलों को आगे बढ़ाएंगे। सभी संस्थाओं को अनुदान दिया जाएगा। सीएम ने ओलंपिक संघ को मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान से 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। यादव ने कहा कि मुझे विश्वास है कि आज जो शंखनाद हुआ है नए खिलाड़ियो के माध्यम से प्रदेश खेलों में आगे जाएगा। मध्यप्रदेश में खेल के विकास की बहुत संभावनाएं हैं। पीएम मोदी का अभिनंदन करें, उन्होंने नई शिक्षा नीति में खेल को पाठ्यक्रम बनाया है। यह बहुत ऐतिहासिक कदम है। वह जमाना गया जब सारे खेलों में हम खाली हाथ आते थे। सारे खेलों में देश के नेतृत्व का परिवर्तन और संकल्प शक्ति से पुरस्कार आ रहे हैं। सभी प्रकार के प्रमोशन में खिलाड़ियों का ध्यान रखा जाएगा।

विजयवर्गीय बोले- खिलाड़ी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करें, सीएम उनकी समस्याएं दूर करेंगे

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि सीएम खेल प्रेमी और मैदानी व्यक्ति हैं। खिलाड़ी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करें, सीएम यादव स्वयं उनकी समस्याओं को दूर कर देंगे। जीतने पर विनम्र बनें। समर्पण के साथ खेलें। बड़ा आदमी विन्रमता से ही बनता है। अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। हम सौभाग्यशाली हैं कि प्रधानमंत्री जी ने छोटे खेलों को भी बढ़ावा देने का प्रयास किया है। सीएम कुश्ती के उत्कृष्ट खिलाड़ी रहे हैं। इसलिए उनके अंदर खेल के प्रति आकर्षण है, लगाव और भावना भी है। उन्होंने कहा कि खेल, खिलाड़ी और स्थान किसी भी सभ्य समाज के लिए आवश्यक है। पहले लोगों में खेल के प्रति उत्साह नहीं था। अभिभावक भी बच्चों को खेल से दूर रखते थे। धीरे-धीरे खेलों के प्रति सोच में परिवर्तन आया और हम खेल के हर क्षेत्र में आगे बढ़े हैं। केंद्र और राज्य सरकार ने काम किया है उसी का परिणाम है कि हमारी महिला, पुरूष और बालकों की टीमें विश्व में विजय प्राप्त कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से खेलों में हम निश्चित रूप से आगे बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री ने प्रोटोकॉल की परवाह न करते हुए हारने वाली हमारी टीम के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सीएम यादव ने खेल के उन्नयन के लिए काम किया और खेल उन्नयन के लिए चिंतित रहते हैं।

ब्रीफ न्यूज

एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गुलवीर ने जीता स्वर्ण

तेहरान,(एजेंसी)। भारत के गुलवीर सिंह ने सोमवार को एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में पुरुषों की 3000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। तेहरान के आफताब ए एन्घेलाब स्पोटर्स कॉम्प्लेक्स में प्रतिस्पर्धा करते हुए गुलवीर सिंह ने आठ मिनट, सात सेकंड और 48 मिलीसेकंड (8.07.48) का समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

प्रो लीग: भारत ने स्पेन को शूटआउट में 8-7 से हराया

राउरकेला,(एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सोमवार को एफआईएच प्रो लीग के हुए मुकाबले में स्पेन को शूटआउट में 8-7 से हराया। भारत की ओर से जरमनप्रीत सिंह पहले मिनट में और अभिषेक ने 35वें मिनट में गोल किए। जबकि स्पेन के लिए जोस बस्तेरा ने तीसरे और बोरजा लैकले ने 15वें मिनट में गोल दागे। निर्धारित समय में दोनों टीमों का स्कोर 2-2 से बराबरी पर छूटने के बाद हुए शूटआउट में भारत ने स्पेन को 8-7 से हराया और बोनस अंक अर्जित किए।

श्रीलंका ने अफगानिस्तान को 72 रनों से हराया

दांबुला,(एजेंसी)। सदीरा समरविक्रमा की 51 रनों की अर्धशतकीय और एंजलो मैथ्यूज की तूफानी नाबाद 42 रनों की पारी और उसके बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने सोमवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में अफगानिस्तान को 72 रन हरा दिया है। 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही है और उसने 31 के स्कोर पर अपने पांच विकेट गंवा दिए। 10वें ओवर में नबी भी 27 रन बनाकर दसून का शिकार बन गए। करीम जनत 28 रन बनाकर आउट हुए। अफगानिस्तान की पूरी टीम 17 ओवर में 115 रनों पर सिमट गई। इससे पहले श्रीलंका ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 187 रन का स्कोर खड़ा किया।

आईपीएल: दुष्मंथा चमीरा कोलकाता में शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से पहले श्रीलंका के तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा की किस्मत चमकी है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने चमीरा को 17वें सीजन के लिए अपने स्क्वॉड में शामिल किया है। वह इंग्लैंड के पेसर गस एटकिंसन के रिप्लेसमेंट के रूप में केकेआर से जुड़ेंगे। कोलकाता ने श्रीलंका खिलाड़ी को 50 लाख रुपए में लिया है। वहीं, फ्रेंचाइजी ने एटकिंसन को ऑक्शन में एक करोड़ रुपए के बेस प्राइस पर खरीदा था।

इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टेस्ट 23 फरवरी से रांची में, भारतीय टीम अभी 2-1 से आगे

राहुल की होगी वापसी, बुमराह को आराम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से आगे है और सीरीज के दो मुकाबले अभी बाकी हैं। इस बीच खबर है कि चौथे टेस्ट मैच में टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। इसके अलावा अच्छी खबर ये है कि केएल राहुल की टीम में वापसी हो सकती है। 23 फरवरी से रांची में खेले जाने वाले चौथे टेस्ट मैच में केएल राहुल प्लेइंग इलेवन में शामिल होने के लिए पूरी तरह फिट हो गए हैं।

बुमराह इस समय इस टेस्ट सीरीज में 17 विकेटों के साथ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, लेकिन वर्कलोड को देखते हुए उनको आराम की जरूरत है। केएल राहुल की फिटनेस को लेकर बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, टीम मंगलवार को रांची जाएगी और संभावना है कि बुमराह को आराम दिया जाएगा। सूत्र ने ये भी जानकारी दी है कि केएल राहुल पूरी तरह फिट होने के करीब हैं और उन्हें रांची में टीम का हिस्सा होना चाहिए। राहुल ने पिछले सप्ताह 90 प्रतिशत फिटनेस हासिल कर ली थी। राहुल को जांघ की मांसपेशियों (क्वाड्रिसेप्स) में चोट लग गई थी, जिससे वह उबर चुके हैं। राहुल अपने दाहिने क्वाड्रिसेप्स में दर्द की शिकायत के बाद दूसरा और तीसरा टेस्ट नहीं खेल पाए थे। भारतीय टीम अभी सीरीज जीतने के करीब है। अगर रांची टेस्ट मैच का परिणाम भारत के पक्ष में नहीं आता है तो फिर 7 मार्च से धर्मशाला में खेले जाने वाले टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह की जरूरत पड़ेगी। एक अंदरूनी सूत्र के अनुसार, राहुल, जो अपने दाहिने क्वाड्रिसेप्स में दर्द की शिकायत के बाद दूसरा और तीसरा टेस्ट नहीं खेल पाए वे पिछले हफ्ते 90 प्रतिशत फिटनेस तक पहुंच गए थे।

केएल की वापसी से रजत पाटीदार को बैठना होगा बाहर

अगर प्लेइंग इलेवन में केएल की वापसी होती है तो फिर रजत पाटीदार को बाहर बैठना होगा। वे दो मौकों को भुना नहीं पाए हैं। जसप्रीत बुमराह को इसलिए आराम दिया जा रहा है, क्योंकि पहले तीन टेस्ट मैचों में वे 80.5 ओवर गेंदबाजी कर चुके हैं। ये मैदान की बात है, लेकिन इसके इतर नेट सेशन में गेंदबाजी और फिर जिम और ट्रेनिंग का भी वर्कलोड देखा जाता है। ऐसे में ये किसी प्रकार से हैरान करने वाली बात नहीं है कि उनको रेस्ट की जरूरत है। इसी तरह मोहम्मद सिराज को दूसरे टेस्ट मैच से आराम दिया गया था। उनकी जगह मुकेश कुमार दूसरे मैच में खेले थे।

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में टॉप पर पहुंच सकता हैं भारत

तीसरे टेस्ट में जीत के बाद भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की ताजा अंकतालिका में दूसरे पायदान पर पहुंच गया है। अब टीम इंडिया की नजरें टेबल टॉपर बनने पर होगी। टीम इंडिया के खाते में फिलहाल 7 मैचों में 59.52 प्रतिशत अंक है, अगर भारत इंग्लैंड को इस सीरीज में 4-1 से भी मात देता है तो वह फिर भी न्यूजीलैंड को पछाड़ नहीं पाएगा। लेकिन यदि न्यूजीलैंड ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैच की टेस्ट सीरीज में पहला टेस्ट हारता है तो उनके खाते में 60 प्रतिशत अंक ही रह जाएंगे। ऐसे में भारत आसानी से टेबल टॉपर बन जाएगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खाते में इस जीत के बाद 59 प्रतिशत अंक होंगे। इंग्लैंड को 3-2 से सीरीज हराने के बाद भारत के खाते में 57.40 प्रतिशत अंक ही रह जाएंगे।

बेन स्टोक्स ने की अंपायर्स कॉल को खत्म करने की मांग

भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में रिकॉर्ड 434 रनों से मिली हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अंपायरिंग पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। बेन स्टोक्स ने कहा कि राजकोट टेस्ट मैच के दौरान डीआरएस तकनीक में खामी के कारण तीन निर्णय उनके खिलाफ गए। स्टोक्स ने मांग की है कि अब आईसीसी के द्वारा इंटरनेशनल क्रिकेट में डीआरएस के दौरान अंपायर्स कॉल को खत्म किया जाए। स्टोक्स ने कहा, हम इस खेल में तीन अंपायर्स कॉल के दौरान गलत एंड पर थे।

अंपायर्स कॉल डीआरएस का हिस्सा है। आप या तो सही तरफ हैं या गलत तरफ। दुर्भाग्य से, हम गलत एंड पर थे। मैं यह नहीं कह रहा कि इसी वजह से हम यह मैच हारे क्योंकि 500 रन बहुत होते हैं।

आखिरी दो टेस्ट मैचों में गेंदबाजी कर सकते हैं बेन स्टोक्स

टेस्ट सीरीज में 2-1 से पिछड़ चुकी इंग्लैंड की टीम को अगले दो टेस्ट मैचों में गेंदबाजी का एक और विकल्प मिलने की उम्मीद है। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने सुझाव दिया है कि वह भारत के खिलाफ सीरीज के चौथे और पांचवें टेस्ट मैच में गेंदबाजी करने के लिए फिट हो सकते हैं। उनको इंटरनेशनल क्रिकेट में गेंदबाजी किए हिए 8 महीने हो चुके हैं। जून 2023 में लॉर्ड्स एशेज टेस्ट मैच के बाद से कई चोटों ने स्टोक्स को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के किसी भी रूप में गेंदबाजी करने से रोक रखा है। लंबी अवधि की चोट को ठीक करने और उन्हें गेंदबाजी में वापसी करने की अनुमति देने के लिए 2023 विश्व कप के बाद उनके बाएं घुटने की सर्जरी हुई।

आनंद महिंद्रा ने सरफराज के पिता को ऑफर की थार

कहा - हिम्मत नहीं छोड़ना, सरफराज ने राजकोट में किया टेस्ट डेब्यू

नई दिल्ली । राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने के साथ ही सरफराज खान का लंबा इंतजार खत्म हो गया। भारतीय टीम के लिए सरफराज ने पहला इंटरनेशनल मैच उनके पिता नौशाद के सामने आया, जो क्रिकेटर की सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसी बीच महिंद्रा ग्रुप के चेयरमेन आनंद महिंद्रा ने सरफराज के पिता को थार जीप ऑफर की है। आनंद महिंद्रा ने सरफराज पर बीसीसीआई के एक वीडियों पर रिएक्ट करते हुए एक्स पर लिखा - हिम्मत नहीं छोड़ना, बस। कड़ी मेहनत, साहस और धैर्य, एक पिता के लिए एक बच्चे में प्रेरणा देने के लिए इससे बेहतर गुण और क्या हो सकते हैं? एक प्रेरणादायक माता-पिता होने के नाते, यह मेरा सौभाग्य और सम्मान होगा अगर नौशाद खान थार का गिफ्ट स्वीकार करें।

डेब्यू में दोनों पारियों में अर्धशतक जमाने वाले चौथे भारतीय बने सरफराज खान

सरफराज खान डेब्यू मैच की दोनों इनिंग्स में अर्धशतक लगाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने। सरफराज से पहले, 1934 में इंग्लैंड के खिलाफ दिलवार हुसैन, 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सुनील गावस्कर ने और श्रेयस अय्यर ने 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू पर दो बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया था।

सरफराज ने डेब्यू मैच की दोनों इनिंग्स में अर्धशतक जमाए

सरफराज खान ने डेब्यू मैच की दोनों इनिंग्स में अर्धशतक जमाए। पहली इनिंग्स में उन्होंने 66 बॉल पर 62 रन की पारी खेली। वह रवींद्र जडेजा के साथ कन्फ्यूजन के चलते सरफराज रनआउट हो गए। जडेजा ने सरफराज को रन लेने के लिए मना किया, लेकिन जैसे ही सरफराज क्रीज की ओर वापस आ रहे थे, मार्क वुड ने डायरेक्ट थ्रो कर उन्हें रनआउट कर दिया।

महिंद्रा अक्सर खिलाड़ियों को देते है थार, गिल-शार्दूल को दे चुके

आनंद महिंद्रा भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले कई एथलीट को थार गिफ्ट कर चुके हैं। इसमें शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, नवदीम सैनी, शार्दूल ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर और टी नटराजन शामिल है। थार की बात करें तो सेकंड जनरेशन महिंद्रा थार भारतीय बाजार में एक लोकप्रिय एसयूबी बन चुकी है। नई थार ने अपने लुक-स्टाइल और फीचर्स लिस्ट की बदौलत लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। लॉन्च होने के बाद इसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था।

जूडो खिलाड़ी सौम्या दुबे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए चयनित

भोपाल,(खेसं)। असम में आयोजित किए जा रहे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के चौथे संस्करण के लिए जूडो, अंडर 70 वेट कैटेगरी में एलएनसीटी विश्वविद्यालय की सौम्या दुबे चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता 19 से 29 फरवरी 2024 तक आयोजित की जा रही है। सौम्या का चयन जेएनडीयु विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जूडो प्रतियोगिता 2023-24 मे शानदार प्रदर्शन (टॉप 8)के आधार पर किया गया है। इससे पूर्व भी सौम्या कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओ में पदक अर्जित कर चुकी हैं। सौम्या को खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के चौथे संस्करण में चयन होने पर एलएनसीटी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जय नारायण चौकसे, डॉ. अनुपम चौकसे कुलाधिपति जेएनसीटी प्रोफेशनल युनिवर्सिटी, डॉ. धर्मेंद्र गुप्ता एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एलएनसीटी युनिवर्सिटी, प्रोफेसर डॉ. एन.के. थापक वाइस चांसलर, डॉ. अजीत सोनी रजिस्ट्रार, पंकज कुमार जैन स्पोर्ट्स डायरेक्टर एलएनसीटी यूनिवर्सिटी ने शुभकामनाएं दी।

दो चरणों में जारी होगा आईपीएल का शेड्यूल

इंडियन प्रीमियर लीग: जल्द हो सकता है शुरुआती मुकाबलों का ऐलान

नई दिल्ली,(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सीजन के शेड्यूल की घोषणा चरणों में किए जाने की संभावना है। पहले फेज का शेड्यूल जल्द घोषित किया जाएगा, लेकिन अगले फेज के शेड्यूल का ऐलान लोकसभा चुनावों की घोषणा के बाद होगा।

अरुण सिंह धूमल की अध्यक्षता वाली गवर्निंग काउंसिल (जीसी) शेड्यूल को अंतिम रूप दे रही है। एक सूत्र ने बताया, हम आंतरिक रूप से चर्चा कर रहे हैं और कमोबेश शेड्यूल का पता लगा लिया है, लेकिन अंतिम घोषणा तब होने की संभावना है जब हमें वोटिंग शेड्यूल पर गृह मंत्रालय और भारत के चुनाव आयोग से स्पष्टता और आवश्यक मंजूरी मिल जाएगी। लोकसभा चुनावों के कारण आईपीएल को देश से बाहर ले जाने का कोई विचार फिलहाल बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के दिमाग में नहीं है। ऐसे में इस बात की पूरी संभावना है कि पूरा टूर्नामेंट भारत में ही खेला जाएगा। आईपीएल के 2019 सीजन की तरह इस बार भी कम से कम दो चरणों में शेड्यूल का ऐलान होगा। बता दें कि यह चौथी बार है, जब लीग का शेड्यूल आम चुनावों के कार्यक्रम से टकरा रहा है। साल 2009 में लोकसभा चुनावों की वजह से टूर्नामेंट साउथ अफ्रीका में आयोजित हुआ था, जबकि 2014 में आईपीएल के आधे फेज का आयोजन यूएई में करना पड़ा था। वहीं, 2019 में पूरा टूर्नामेंट आम चुनावों के बावजूद भारत में हुआ था। आईपीएल के शेड्यूल की घोषणा चरणों में की जाएगी। जैसा कि 2019 में हुआ था। प्रत्येक टीम के पहले कुछ मैचों के लिए, हम जल्द ही शेड्यूल जारी करेंगे और फिर हमें वोटिंग डेट्स और अन्य महत्वपूर्ण तारीखों पर अधिक स्पष्टता मिलेगी, उसके बाद हम बाकी बचे मैचों की घोषणा करेंगे।

फ्लाईबोर्डिंग का लेना है मजा, तो भारत में इन जगहों को करें एक्सप्लोर

वाटर स्पोर्ट्स के मजे लेना हर किसी को बेहद पसंद होता है, पानी पर मस्ती करने का मजा अलग ही होता है। छुट्टियों में जब घूमने जाते हैं तो बोटिंग से लेकर स्कूबा डाइविंग, जेट स्कीइंग, रिवर राफ्टिंग जैसे कई वाटर के स्पोर्ट्स को काफी एन्जॉय करते है। काफी समय से फ्लाईबोर्डिंग को बहुत पसंद किया जा रहा है। बता दें कि, फ्लाईबोर्डिंग कतर से लेकर थाईलैंड तक काफी फेमस है। हालांकि अब भारत में भी इस वाटर स्पोर्ट्स के मजा लेने लगे हैं। तो चलिए आपको बताते हैं इन जगहों के बारे में-

बागा बीच- भारत मे फ्लाईबोर्डिंग का मजा लेने केलिए आपको गोवा में जाना होगा। गोवा के बागा बीच पर फ्लाईबोर्डिंग के लिए टूरिस्ट का पसंदीदा प्लेस है। अगर आपको एडवेंचर्स एक्टिविटीज करना काफी पसंद है तो आपको बागा बीच जरुर जाना चाहिए। गोवा के बागा बीच पर फ्लाईबोर्डिंग सेशन उपलब्ध हैं, यहां पर खूबसूरत बीचेस के नजारा देखने को मिलता है। फ्लाईबोर्डिंग से लहरों के ऊपर चढ़ने का अलग ही मजा है।

अंजुना बीच- बागा बीच के अलवा अंजुना बीच पर भी फ्लाईबोर्डिंग का मजा लें सकते है। यह बीच बोहेमियन वातावरण के लिए काफी फेमस है। अंजुना का आरामदायक माहौल और फ्लाईबोर्डिंग की एड्रेनालाईन की भीड आपके हॉलिडे को बेहद ही खास बना देगा।

कैलंगुट बीच- कैलंगुट बीच के गोवा में समुद्र तटों की रानी कहा जाता है। यह जगह भी फ्लाईबोर्डिंग के लिए सबसे खास है। जब आप यहां पर फ्लाईबोर्डिंग के रोमांच को महसूस कर ही सकते हैं। इसके साथ ही कैलंगुट बीच की प्राकृतिक सुंदरता का नजारा भी आपका मन मोह लेगा।

डोना पाउला- यह जगह भी फ्लाईबोर्डिंग के लिए परफेक्ट है, गोवा की राजधानी पणजी से केवल 7 किलोमीटर दूर डोना पाउला उत्तरी गोवा के सबसे आकर्षक बीच के रुप में माना जाता है। गोवा में आने वाले टूरिस्ट डोना पाउला घूमना और वहां के सौंदर्य को एक्सीपीरियंस करना काफी पसंद करते हैं। यहां पर आप कई वाटर स्पोर्ट्स का मजा भी उठा सकते हैं। डोना पाउला फ्लाईबोर्डिंग भी उपलब्ध है।

फेथ क्रिकेट क्लब सेमीफाइनल में पहुंचा

अलीशा, डीजीपी व कमिश्नर इलेवन फाइनल में

भोपाल,(खेसं)। संभाग क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित स्व. श्री हुकुम सिंह ठाकुर स्मृति दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता (90 ओवर्स) में फेथ क्रिकेट क्लब ने एलबीएस क्रिकेट क्लब को 434 रन से हराकर सेमीफाइनल मे प्रवेश किया। वहीं एनडीआईपीएल, अलीशा, डीजीपी इलेवन और कमिश्नर इलेवन फाइनल में पहुंच गए हैं। एलबीएस क्रिकेट क्लब के खिलाफ पहले दिन फेथ क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 90 ओवर में 5 विकेट खोकर 565 रन बनाए थे। जबाव में सोमवार को एलबीएस की टीम 30.5 ओवर मे 131 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। एलबीएस से वैभव शर्मा ने 65 और आयुष शुक्ला ने 32 रन बनाए। अनंत दुबे ने 5 और पृथ्वीराज ने 2 विकेट लिए। अन्य मैच में वींएस क्रिकेट अकादमी के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए एमसीसीए सीनियर्स की टीम 62.4 ओवर में 261 रन पर ऑलआउट हो गई। जिसमें प्रियांशु प्राण ने 74 रन बनाए। वींएस से अविरल ने 3 विकेट लिए। जवाबी पारी खेलने उतरी वींएस अकादमी ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 24.2 ओवर मे 4 विकेट खोकर 54 रन बना लिए थे। वहीं कॉर्पोरेट ग्रुप में अलीशा इंटरप्राइजेज के खिलाफ हमीदिया स्पोर्ट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 138 रन बनाए। जवाब में अलीशा इंटरप्राइजेज की टीम ने 16.3 ओवर मे 3 विकेट पर 139 रन बना सकी। एक अन्य मैच मे एनडीआईपीएल के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए मास्टर्स इलेवन की पूरी टीम 16 ओवर में 75 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में एनडीआईपीएल की टीम ने 6.5 ओवर में 1 विकेट खोकर यह मैच जीत लिया। विभागीय ग्रुप में एमपीपोस्टल के खिलाफ डीजीपी इलेवन ने 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाए। जवाब में एमपीपोस्टल की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 155 रन ही बना सकी।

रणजी ट्रॉफी | प्रथम सिंह ने खेली 169* रनों की शतकीय पारी, सैफ ने भी जड़ा शतक

रेलवे ने त्रिपुरा के खिलाफ चेज किया सबसे बड़ा टारगेट

अगरतला,(एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज प्रथम सिंह (नाबाद 169 रन) की शतकीय पारी की बदौलत रेलवे ने रणजी ट्रॉफी के अपने अंतिम लीग मैच में त्रिपुरा के खिलाफ 5 विकेट पर 373 रन का लक्ष्य हासिल कर 5 विकेट के जीत दर्ज की। इसी के साथ रेलवे ने रणजी ट्रॉफी का सबसे बड़ा टारगेट चेज किया। इससे पहले सौराष्ट्र ने 2019-20 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ 372 रनों का टारगेट चेज किया था।

378 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरूआत में तीसरे दिन के दूसरे हाफ में रेलवे की टीम एक बार फिर चरमरा गई। एक समय उन्होंने 31 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। हालांकि इसके बाद सलामी बल्लेबाज प्रथम सिंह और मोहम्मद सैफ (106) ने चौथे विकेट के लिए 175 रन की साझेदारी की, जिससे रेलवे को लक्ष्य का पीछा करने में मदद मिली। इसके अलावा कप्तान उपेन्द्र यादव (नाबाद 27) का योगदान दिया। एमबीबी स्टेडियम, अगरतला में रेलवे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था, उनका यह फैसला तब सही साबित हुआ जब गेंदबाजों ने त्रिपुरा की पुरी टीम को मात्र 149 रनों पर समेट दिया। रेलवे के लिए युवराज सिंह ने सर्वाधिक 4 विकेट चटकाए थे। त्रिपुरा के इस स्कोर को देख उम्मीद जताई जा रही थी कि रेलवे की टीम बड़ा स्कोर बनाकर मैच को पारी के अंतर से जीत सकती है, मगर उनकी हालत तो त्रिपुरा से भी बुरी हुई। रेलवे की पहली पारी 105 रनों पर ही सिमट गई। 149 रन बनाने के बावजूद त्रिपुरा ने पहली पारी के बाद 44 रनों की बढ़त हासिल की। त्रिपुरा ने इसके बाद अपना ए गेम दिखाया और दूसरी पारी में 333 रन बनाकर रेलवे के सामने 378 रनों का टारगेट रखा।

मप्र समेत क्वॉर्टर फाइनल की 8 टीमें तय

रणजी ट्रॉफी 2024 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले तय हो गए हैं। विदर्भ, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, आंध्र की टीम में अंतिम-8 में जगह बनाई। सभी मैच 23 से 25 फरवरी तक सुबह 9:30 बजे शुरू होंगे। मध्यप्रदेश को जम्मू कश्मीर के खिलाफ 256 रन से जीत मिली। राजस्थान के खिलाफ झारखंड को 89 रन से जीत मिली। पहली पारी में झारखंड सिर्फ 188 रन पर ऑलआउट हो गई थी। जवाब में राजस्थान की टीम ने 210 रन बना दिए। झारखंड की दूसरी पारी 269 रन पर खत्म हुई। 248 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 158 रन ही बना पाई। पंजाब खिलाफ मुकाबले में तमिलनाडु को 9 विकेट से जीत मिली। बाबा इंद्रजीत (187) और विजय शंकर (130) के शतक की मदद से तमिलनाडु ने पहली पारी में 435 रन बनाए थे।

क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल

मैच	टीम
पहला	विदर्भ बनाम कर्नाटक
दूसरा	मुंबई बनाम बड़ौदा
तीसरा	तमिलनाडु बनाम सौराष्ट्र
चौथा	मप्र बनाम आंध्र प्रदेश

कोविड

मुख्यधारा मीडिया में महामारी संशोधनवाद की प्रबल धारा खतरनाक

एडिनबर्ग/बर्लिन (द कन्वरसेशन)। सार्वजनिक तौर पर पूछे जाने वाले सवालों, सीखे गए सबक पर चर्चा और महामारी के बाद के बढ़ते विश्लेषणों से अधिक ऐसा कोई स्पष्ट संकेत नही है, जिससे यह मान लिया जाए कि हम अब महामारी के 'बाद' के चरण में है। लॉकडाउन कितना उचित था, इसका पुनर्मूल्यांकन और पीड़ा अब मीडिया में लगभग स्थिर है, खासकर यूके में। हालाँकि, कोविड जांच जारी रहने की पृष्ठभूमि में, सीमांत विचार मुख्यधारा में अपनी जगह बना रहे है। और ऑनलाइन बहसों ने उन अधिकांश नैतिक और राजनीतिक बारीकियों को त्याग दिया है जिनके वे हकदार थे।

कोविड पर काबू पाना एक अकुशल और कठिन कार्य था जिसके लिए 2020 में तेजी से फैल रहे नए वायरस के सामने स्वास्थ्य, सामाजिक, नैतिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक और राजनीतिक हितों को ध्यान में रखना आवश्यक था। फिर भी, समय गुजरने के साथ, चुभने वाले, कठिन मुद्दे कम हो जाते है और झूठे आख्यान और सरल विकल्प अपनी जगह बना लेते है। दूसरे शब्दों में, 'महामारी संशोधनवाद'।

यह सीखना महत्वपूर्ण है कि समुदायों और सरकारों ने इस महामारी संकट पर कैसे प्रतिक्रिया दी। दूरदर्शिता के लाभ से, सफल हस्तक्षेपों के स्थापित विवरण और विफलता की कहानियां अक्सर नए रंग ले लेती है। एंटीजन परीक्षण में तेजी लाने में निवेश करना संभवतः सार्थक था। तैयारियों पर केंद्रित वैश्विक स्वास्थ्य संस्कृति में, केवल सुप्रमाणित तथ्यों, रिपोर्टों और गवाहों के बयानों का एक ठोस रिकॉर्ड ही महामारी की धुंध को हटाकर सही तस्वीर सामने ला सकता है। लेकिन 19वीं सदी से पोस्ट हॉक पूछताछ भी आधिकारिक दोष स्थापित करने का एक राजनीतिक उपकरण रही है। पीछे मुड़कर देखने का कार्य न केवल हिसाब लगाने का क्षण है, बल्कि पुनरीक्षण का अवसर भी है। परिणामस्वरूप, विस्तृत विश्लेषण भी 'लॉकडाउन से पीड़ित बच्चों' के बारे में सरलीकृत कहानियों को फैलने से नहीं रोक सकते। अधिकांश समय, वे संरचनात्मक सामाजिक और राजनीतिक समस्याओं, असमानता, कम फंडिग और किसे संरक्षित किया जाए या किसे असुरक्षित समझा जाए, इस पर असहज नैतिक बहस के लिए तैयार हो जाते है।

कोविड पर प्रतिक्रिया से पता चला कि पिछली महामारियों से मिले सबक का सीमित उपयोग था और संदर्भ से बाहर किए जाने पर यह हानिकारक हो सकता है। अनुसंधान ने स्थापित किया है कि सफलता और विफलता के ऐसे निदान समय के साथ बदल सकते है। 1918 की फ्लू महामारी, या पोलियो और एचआईवी/एड्स से जो सीखा गया है, उसके लंबे समय से स्थापित विवरण इस तथ्य से बच नहीं सकते है कि 'राजनीति वह आकार देती है जो हम याद करते है'। 1940 और 50 के दशक में वैश्विक व्यवधान पैदा करने वाले पोलियो के प्रकोप को समय के साथ काफी अलग ढंग से देखा गया है। टीकाकरण की सफलता का सार्वजनिक रूप से एक वर्ष तक जश्न मनाया जा सकता था, जैसा कि 1958 में हंगरी में हुआ था, लेकिन अगले वर्ष जब महामारी पूरी ताकत के साथ वापस आई तो इसे एक शानदार विफलता के रूप में खारिज कर दिया गया। सीखे गए सबक अत्यधिक आकस्मिक थे। इसके बाद जो उंगली उठाई गई, वह आज बहुत परिचित है : सरकार वैक्सीन न लेने के लिए जनता को दोषी ठहरा रही है, लोग पर्याप्त प्रावधानों की कमी के लिए शासन को दोषी ठहरा रहे है, यात्रा प्रतिबंधों और दोषपूर्ण टीकाकरण उपकरणों के बारे में बहस हो रही है। सुव्यवस्थित आख्यान पोलियो में महामारी प्रबंधन की जटिलताओं को उजागर करने वाली बारीकियों ने जल्द ही एक सुव्यवस्थित कथा का मार्ग प्रशस्त कियाः साल्क वैक्सीन, पोलियो के इलाज के लिए पहला टीका, सभी परेशानियों का कारण बताया गया, जब नए साबिन वैक्सीन ने इसकी जगह ले ली। 1960 के दशक के अंत में महामारी की समाप्ति के बाद, स्वास्थ्य की जिम्मेदारी पर बातचीत गायब हो गई, जबकि बच्चे और वयस्क अभी भी बीमारी से जूझ रहे थे, वे अदृश्य हो गए थे।

हाल ही में, एड्स के इतिहास को अक्सर 'तकनीकी विज्ञान' की जीत के रूप में बताया जाता है जिसने प्रभावी, परिष्कृत फार्मास्युटिकल नवाचार के माध्यम से एक उग्र महामारी को नियंत्रण में किया। हालाँकि, 1980 के दशक के डर और गुस्से में, यह वायरस के प्रसार की पूर्वाग्रहपूर्ण राजनीतिक उपेक्षा के वर्षो पर बनी एक जटिल कहानी थी। इसने कार्यकर्ताओं को दवा विनियमन में बदलाव की मांग करने के लिए प्रेरित किया, नियामकों ने धीरे-धीरे प्रयोगात्मक दवाओं की तेजी से रिलीज के लिए नए ढांचे को स्वीकार कर लिया, और बरोज़ वेलकम जैसी कंपनियों ने एजेडटी - पहली प्रभावी एचआईवी/एड्स एंटीरेट्रोवाइरल दवा- के साथ आश्चर्यजनक लाभ कमाने का अवसर झपट लिया ।

वेब सीरीज पूर्वांचल का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे की वेब सीरीज पूर्वांचल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। पूर्वांचल वेब सीरीज का निर्माण यशी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर से हुआ

है। यह फिल्म 21 फरवरी को ओटीटी ऐप चौपाल पर रिलीज की जाएगी। वेब सीरीज की शूटिंग साल 2023 में मुंबई में की गई है, जिसके निर्देशक धीरज पंडित है। पूर्वांचल भोजपुरी की पहली फुल प्लेज वेब सीरीज है, जिसका ट्रेलर दर्शकों के सामने है।

भोजपुरी गाना करेजा करीना नियन रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता अरविंद अकेला कल्लू और अभिनेत्री पारुल ठाकुर का गाना करेजा करीना नियन रिलीज हो गया है। एसआरके म्यूजिक प्रस्तुत गाना करेजा करीना नियन को अरविंद अकेला कल्लू ने शिल्पी राज के साथ मिलकर गया है। गाना करेजा करीना नियन के गीतकार छोटू यादव और संगीतकार रौशन सिंह है। कोरियोग्राफर एमके गुप्ता जॉय है। परिकल्पना अरविंद मिश्रा का है और डीओपी पप्पू जी है।

एआई से जितनी नौकरियां खत्म होंगी उससे अधिक पैदा होंगी

नई दिल्ली (आईएएनएस)। आईबीएम इंडिया/साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक संदीप पटेल ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से वास्तव में जितनी नौकरियां खत्म होंगी, उससे अधिक पैदा होंगी। पटेल ने कहा कि उन्होंने समय के साथ प्रौद्योगिकी और कई नवाचारों को विकसित होते देखा है। उन्होंने कहा,मेरा दृढ़ विश्वास है कि एआई जितनी नौकरियां ख़त्म करता है, उससे कहीं अधिक पैदा करेगा। पूरी तरह से नई नौकरियों की कल्पना करते समय लोग आमतौर पर बहुत डर जाते हैं। उदाहरण के लिए, इंटरनेट के आगमन के साथ समाचार पत्र मुद्रण जैसे कुछ क्षेत्रों में नौकरियों में गिरावट आई, लेकिन इसके परिणामस्वरूप वेब डिज़ाइन, डेटा साइंस, डिजिटल मार्केटिंग और वेब प्रकाशन में लाखों नई नौकरियों का सृजन हुआ। पटेल ने जोर देकर कहा, तो, जिन चीजों के बारे में हम बहुत स्पष्ट हैं और जिन पर जोर देते रहते हैं, उनमें से एक यह है कि पुनः कौशल बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में 46 प्रतिशत कंपनियां वर्तमान में स्वचालन और एआई उपकरणों के साथ मिलकर काम करने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दे रही हैं या पुनः कुशल बना रही हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करने की गुंजाइश है। उन्होंने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसे सरकार स्पष्ट रूप से पहचानती है। जब हम संगठन के भीतर कर्मचारियों को देखते हैं, तो 50 प्रतिशत कहते हैं कि वे नए एआई और ऑटोमेशन टूल के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं। पटेल ने कहा,तो, अब सवाल यह है कि आप लोगों के एक विशाल समूह को कैसे प्रशिक्षित

46 प्रतिशत कंपनियां वर्तमान में स्वचालन और एआई उपकरणों के साथ मिलकर काम करने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दे रही हैं या पुनः कुशल बना रही हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करने की गुंजाइश है। जब हम संगठन के भीतर कर्मचारियों को देखते हैं, तो 50 प्रतिशत कहते हैं कि वे नए एआई और ऑटोमेशन टूल के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं।

करते हैं? हर कोई कोडर या एआई डेवलपर वगैरह नहीं हो सकता। जैसे-जैसे ये प्रौद्योगिकियां विकसित हो रही हैं, आपको इनके साथ काम करना सीखना होगा। आईटी और कौशल विकास राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर के अनुसार, एआई में भारत की प्रगति की कुंजी तकनीकी प्रतिभा है, न कि चिप-संचालित कंप्यूटिंग शक्ति। उन्होंने पिछले दिसम्बर में एक कार्यक्रम में कहा था, एआई में प्रतिभा कहीं अधिक बुनियादी चुनौती है।

पेंगुइन कराएगी मुरुगन की पांच कृतियों का अंग्रेजी अनुवाद

कोलकाता (वार्ता)। अमेरिका की बहुराष्ट्रीय समूह प्रकाशन कंपनी पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने तमिल भाषा के सुप्रसिद्ध और जेसीबी साहित्य पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार पेरुमल मुरुगन की उन पांच उत्कृष्ट कृतियों का खुलासा किया है जिसका वह अब अंग्रेजी भाषा में अनुवाद कराएगी। साहित्यिक कौशल के लिए प्रसिद्ध कथाओं को पहले ही तमिल साहित्य में प्रशंसा मिल चुकी है और अब अंग्रेजी भाषी दर्शकों को लुभाने के लिए पेंगुइन पहली बार इनका अनुवाद करा रही है। ये रचनाएँ अगले छह वर्षों में अलग से प्रकाशित की जाएंगी।,

पेंगुइन के लेखक पेरुमल मुरुगन कहा, ' प्रकाशन गृह अब पुस्तकों के इस अनूठे सेट को प्रकाशित करने का साहस कर रहा है। यह एक तमिल लेखक के लिए एक अभूतपूर्व मील का पत्थर है, जो भारत की एक शास्त्रीय भाषा है जिसकी साहित्यिक विरासत दो हजार वर्षों से अधिक है। मैं अंग्रेजी भाषा के पाठकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस प्रयास को संभव बनाया है और पेंगुइन को इन अनुवादों को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।"

पेंगुइन प्रेस, पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया की प्रधान संपादक मानसी सुब्रमण्यम ने कहा,'मुरुगन की साहित्यिक क्षमता केवल उनकी विनम्रता से प्रभावित है। यह ऐतिहासिक पांच-पुस्तक सौदा न केवल उनकी उत्कृष्ट कृतियों को अंग्रेजी में व्यापक पाठकों तक लाएगा बल्कि दुनिया भर में तमिल और अंग्रेजी साहित्य के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

इनमें से प्रत्येक पुस्तक व्यापक पाठक के लिए सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कहानी पेश करती है, जो मुरुगन की कहानी कहने के कौशल की गहराई को प्रदर्शित करती है।

साइबर हमलों से बचने व एआई अपनाने को भारतीय एसएमई तैयार

भारत में एआई को अपनाने में तेजी आ रही है। अमेरिकी उत्तरदाताओं के 13 प्रतिशत और यूके के 23 प्रतिशत उत्तरदाताओं की तुलना में भारत के केवल 4 प्रतिशत उत्तरदाताओं की एआई को अपनाने की कोई योजना नहीं है।

नई दिल्ली (आईएएनएस)। एआई के बढ़ने, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और उभरते सुरक्षा खतरों के कारण भारत में छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए बजट बढ़ रहा है। सोमवार को एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय एसएमई साइबर हमलों से बचने व एआई अपनाने के लिए बेहतर रूप से तैयार हैं। यूएस की एंटरप्राइज़ सॉफ्टवेयर कंपनी जम्पक्लाउड की रिपोर्ट के अनुसार, देश में एसएमई ने सबसे अधिक समग्र बजट वृद्धि (92 प्रतिशत) दर्ज किया है, केवल 8 प्रतिशत ने बताया है कि बजट या तो 'समान रह गया' है या घट रहा है। सर्वेक्षण में शामिल अन्य देशों की तुलना में यह एक सकारात्मक दृष्टिकोण है। जम्पक्लाउड के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी ग्रेग केलर ने कहा,भारत में कंपनियां तेजी से आगे बढ़ने वाली और चुस्त हैं। वे प्लेटफ़ॉर्म-आधारित डिवाइस और पहचान प्रबंधन समाधानों की तलाश कर रहे हैं, जो उनकी विकास महत्वाकांक्षाओं से मेल खाते हों और साथ ही उभरती अनुपालन और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में भी मदद करें। विश्व स्तर पर शीर्ष तीन सुरक्षा खतरों में, नेटवर्क हमले शीर्ष पर हैं, इसके बाद सॉफ्टवेयर भेद्यता शोषण और रैंसमवेयर हैं। भारत में, सॉफ्टवेयर भेद्यता शोषण सूची में सबसे ऊपर (36 प्रतिशत) है, इसके बाद नेटवर्क हमले (35 प्रतिशत) और मल्टी-फैक्टर प्रमाणीकरण (एमएफए) तीसरे स्थान (26 प्रतिशत) पर हैं। कुल मिलाकर, आईटी प्रशासक छह महीने पहले की तुलना में आईटी खर्च को लेकर अधिक आशावादी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के लगभग 92 प्रतिशत उत्तरदाताओं को उम्मीद है कि बजट में थोड़ी या उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जो कि वैश्विक औसत 80 प्रतिशत से ऊपर है। भारत में एआई को अपनाने में तेजी आ रही है। अमेरिकी उत्तरदाताओं के 13 प्रतिशत और यूके के 23 प्रतिशत उत्तरदाताओं की तुलना में भारत के केवल 4 प्रतिशत उत्तरदाताओं की एआई को अपनाने की कोई योजना नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है, इसके अतिरिक्त, भारत के 82 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि उनके संगठन को एआई में निवेश करना चाहिए, जबकि वैश्विक औसत 76 प्रतिशत है।

छत्रपति शिवाजी के जीवन पर फिल्म बनाएंगे रितेश देशमुख

मुंबई (वार्ता)। अभिनेता रितेश देशमुख ,छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म बनाने जा रहे हैं। रितेश देशमुख फिल्म 'राजा शिवाजी' का निर्देशन करने जा रहे है,जबकि जेनेलिया देशमुख, ज्योति देशपांडे फिल्म की प्रोड्यूसर है। इस फिल्म को जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी द्वारा प्रस्तुत किया गया है। रितेश देशमुख ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ब्लैक एंड व्हाइट पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म 'राजा शिवाजी' की अनाउंसमेंट की। इसके साथ ही कैप्शन में मराठी में लिखा गया है, इतिहास के गर्भ में एक ऐसी शख़्सियत ने जन्म लिया जिसका अस्तित्व नश्वरता से भी आगे निकल गया। एक छवि, एक किंवदंती, जो ज्वलंत प्रेरणा की एक शाश्वत भट्टी थी। शिवाजी सिर्फ एक ऐतिहासिक व्यक्ति नहीं है। ये साढ़े तीन सौ साल की एक अनुभूति है, असाधारण वीरता की एक चिंगारी है। एक शानदार बेटे की महाकाव्य यात्रा जिसने एक विशाल शक्ति को उखाड़ फेंका और स्वराज्य की लौ जलाई। एक योद्धा, जहां बहादुरी की कोई सीमा नहीं होती। जिन्होंने जमीन पर नहीं बल्कि रैयतों के दिमाग पर शासन किया...और इसलिए सभी के मुखी का नाम...'राजा शिवाजी।

बड़े मियां छोटे मियां : अक्षय व टाइगर मुख्य भूमिका में

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ की आने वाली फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का टाइटल ट्रैक रिलीज हो गया है।'बड़े मियां छोटे मियां' में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की मुख्य भूमिका हैं।'बड़े मियां छोटे मियां'के टाइटल ट्रैक को अनिरुद्ध रविचंदर और विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। वहीं, गाने के लिरिक्स इरशाद कामिल ने लिखे है, जबकि विशाल मिश्रा ने इसे कंपोज किया है। बड़े मियां छोटे मियां को वासु भगनानी और जैकी भगनानी के प्रोडक्शन हाउस पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है। बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर,पृथ्वीराज सुकुमारन और अलाया एफ शामिल हैं। बड़े मियां छोटे मियां ईद के मौके पर इस वर्ष रिलीज की जाएगी।

पीजी कालेज में बीएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा शुरू पहले दिन ही धराये 3 नकलची 44 रहे अनुपस्थित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में मंगलवार को पूर्वांचल विश्वविद्यालय बीएड की परीक्षा प्रारम्भ हुई। परीक्षा के पहले दिन बीएड की प्रथम सेमेस्टर प्रथम प्रश्न-पत्र की परीक्षा में तीन नकलची पकड़े गए। स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 20 अन्य बीएड महाविद्यालयों का परीक्षा केंद्र बनाया गया है। गुरुवार को पूर्वान्ह 11 बजे से अपराह्न 02 बजे की पाली में बी.एड. प्रथम सेमेस्टर प्रथम प्रश्न- पत्र की परीक्षा संपन्न हुई। जिसमें पंजीकृत 1198 परीक्षार्थियों में 1154 उपस्थित एवं 44 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षाओं की सूचिता एवं पारदर्शिता को लेकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने प्रखर पूर्वांचल को बताया कि विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के लिए परीक्षा विभाग, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संपर्क में है।

सूचिता एवं पारदर्शिता पूर्वक परीक्षा संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। परीक्षा देने के लिए महाविद्यालय परिसर के गेट से घुसते समय सघन तलाशी के साथ छात्र-छात्राओं को मोबाइल, स्मार्टवॉच, पर्स, अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस एवं किसी भी प्रकार का किसी अनुचित साधन सम्बन्धित सामग्री का प्रयोग न करने की हिदायत दी जा रही है। नकल करते पकड़े गए विद्यार्थियों के खिलाफ विश्वविद्यालय के दिशा निर्देश के क्रम में आवश्यक कार्यवाही भी की जा रही है। आंतरिक उड़का दल के सदस्य के रूप में प्रोफेसर डॉ० एस. डी. सिंह परिहार, प्रोफेसर डॉ० अरूण कुमार यादव, प्रोफे२१ डॉ० एस. एन. सिंह, प्रोफेसर डॉ० रविशंकर सिंह, डॉक्टर रामदुलारे, डॉ० गोपाल यादव, डॉक्टर शिप्रा श्रीवास्तवा आदि उपस्थित रहे।

स्वामी सहजानन्द कालेज में बीएड की परीक्षा देती एक नकलची धरायी, 23 छात्र रहे अनुपस्थित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्वामी सहजानन्द पीजी कालेज में प्रातः सत्र में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की बीएड परीक्षा के प्रथम सेमेस्टर की आज सम्पन्न हुई परीक्षा में 425 पंजीकृत छात्रों में से 402 परीक्षा में सम्मिलित हुए जबकि 23 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा में कक्ष निरीक्षकों ने जन भारती महाविद्यालय तलवल की एक परीक्षार्थी को अनुचित साधन सामग्री के साथ पकड़े जाने पर रस्टीकेट कर दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी के राय ने बताया कि महावि को जनपद के 9 स्ववित्तपोषित बीएड महाविद्यालयों का परीक्षा केंद्र बनाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासन से अनुरोध किया गया था कि महाविद्यालय को बीएड परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र न बनाया जाय क्यों कि बार बार बाहरी परीक्षाओं के कारण महाविद्यालय में रूटीन पठन-पाठन में व्यवधान पड़ता है। परीक्षा के सफल एवं सुचितापूर्ण संचालन के लिए प्रो. अवधेश नारायन राय के नेतृत्व में एक परीक्षा-समिति का गठन किया गया है। परीक्षा प्रभारी के नेतृत्व में सहायक केंद्राध्यक्षों की एक टीम मुख्य द्वार पर परीक्षार्थियों की सघन जांच एवं तलाशी लेकर ही उन्हें परीक्षा कक्षों में जाने की अनुमति देती है। परीक्षा के दौरान आंतरिक उड़ाका दल द्वारा सभी कक्षों में सतर्कता पूर्वक जांच तथा तथा सभी परीक्षार्थियों की तलाशी ली जाती है।

नेहरू युवा केंद्र ने किया युवा सांसद भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नेहरू युवा केंद्र युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय गाजीपुर उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में नेहरू युवा केंद्र कार्यालय गाजीपुर मे जिला युवा सांसद भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे प्रतिभागियों ने अपने-अपने विचार प्रकट किए। आजमगढ़, बलिया, जौनपुर, गाजीपुर के युवाओं ने भाषण प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। निर्णायक मण्डल मे कमलेश प्रकाश सिंह मंडल प्रभारी भाजपा, एस.डी. यादव सेवा सेवा निवृतजिला क्रीड़ा अधिकारी, कमरुद्दीन पूर्व प्रवक्ता एस. एम. नेशनल इंटर कॉलेज मचट्टी गाजीपुर, सीमा पाठक अध्यक्ष जिला बाल कल्याण समिति, विनय कुमार सिंह ब्यूरो चीफ आज तक ने पारदर्शिता के साथ निर्णय किया। जनपद स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी राज्य स्तर पर भेजे जायेगे। वर्चुअल मोड में आयोजित प्रतियोगिता में नेहरू युवा केंद्र उपनिदेशक कपिल देव राम ने सभी बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहाँ की उत्साह एवं उमंग से किया हुआ हर कार्य सफल होता है और सभी लोगो को कभी न रुकने एवं मन में ठान कर लक्ष्य प्राप्ति करने की तरफ सतत प्रयत्नशील होना चाहिए। प्रतियोगिता का संचालन डीपीओ बृजेश श्रीवास्तव ने किया। एमटीएस सुरेंद्र राम प्रजापति, राहुल कुमार, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सदर विकासखंड खुशबू वर्मा, चंदन पटेल, रॉबिन राव, राहुल विश्वकर्मा, लल्लन प्रसाद, हर्षवर्धन राय, राजीव कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक सम्पन्न

प्रखर वाराणसी। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ की एक आवश्यक बैठक आज हुई जिला तदर्थ समिति के सदस्य व चिरईगांव ब्लॉक के अध्यक्ष ज्योति भूषण त्रिपाठी की अध्यक्षता में ब्लॉक संसाधन केन्द्र चिरईगांव के सभागार में हुई। बैठक में जिला स्काउट मास्टर व प्राथमिक विद्यालय फुलवरिया के प्रधानाध्यापक अभय सरोज जी के उत्तरप्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा के ड्यूटी के दौरान स्वर्गवास हो जाने पर गहरा दुःख व्यक्त किया गया तथा जिला प्रशासन से उनके परिवार को एक करोड़ रुपये के आर्थिक मदद की मांग की गई।बैठक में प्राथमिक विद्यालय सरैया 2 चिरईगांव वाराणसी के स. अ.श्री महेश यादव जी जो पुलिस परीक्षा की ड्यूटी में जाते हुए दुर्घटना ग्रस्त हो गए थे उनके इलाज का खर्च वहन करने की मांग भी जिला प्रशासन से की गई। ज्योति भूषण त्रिपाठी ने भविष्य में शिक्षकों की कोई भी ड्यूटी यथा सम्भव उनके निवास के करीब ही लगाने की मांग किया ,तथा छुट्टी के दिनों में कराए गए ड्यूटी के बदले उपार्जित अवकाश देने की भी मांग बेसिक शिक्षा विभाग से किया। बैठक का संचालन ब्लॉक मंत्री शैलेन्द्र पाण्डेय व धन्यवाद ज्ञापन ब्लॉक कोषाध्यक्ष श्री अशोक कुमार सिंह ने किया।बैठक में ज्योतिभूषण त्रिपाठी, शैलेन्द्र पाण्डेय, अशोक कुमार सिंह, पार्थे श्वर पाण्डेय, देवेंद्र सिंह, देवेंद्र पाण्डेय, सुधीर सिंह, घनश्याम भरती, राजेश यादव, अनूप सिंह, सतीशचन्द्र गौतम, दिलीप कुमार, पीयूष मालवीय,विनोद कुमार श्रीवास्तव, सुनील कुमार तिवारी, सच्चिदानंद सिंह,विजय कुमार, रंजना मिश्रा, रुखसाना बेगम व कल्पना तिवारी सहित कई अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत छात्राओं ने निकाला सड़क सुरक्षा जागरुकता रैली

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। पाण्डेयपुर स्थित सुधाकर महिला पी.जी. कॉलेज ने राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में द्वितीय एक दिवसीय सड़क सुरक्षा जागरुकता रैली का आयोजन किया` रैली में सुधाकर महिला पी.जी. कालेज के प्राचार्य डॉ० प्रभु नारायण दूबे ने रैली को हरी झंडी दिखाते हुए कहा की सड़क सुरक्षा मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है इसलिए संयसेवी छात्राओं द्वारा इस प्रकार के रैली के आयोजन से लोगो में जागरुकता आयेगी। समन्यवक डॉ० अशोक कुमार पाण्डेय रैली में सम्मिलित होते हुए कहा की सड़क पर वाहन चलाते समय प्रत्येक वाहन चालक को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रथम इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मनोरमा तिवारी, द्वितीय इकाई के डॉ० शालिनी त्रिपाठी, तृतीय इकाई के डॉ० पूजा सिंह ने अपने-अपने स्वंयसेवी छात्राओं का रैली में नेतृत्व किया। रैली महाविद्यालय से आरम्भ होते हुए पाण्डेयपुर चौराहा, प्राथमिक विद्यालय, प्रथम, प्राथमिक विद्यालय द्वतीय, छोटा लालपुर होते हुए पुष्परंजन बालिका विद्यालय, दौलतपुर से होते हुए पुनः महाविद्यालय में समाप्त हुई जिसमें स्वयंसेवी छात्राओं ने अपने हाथो से बनाये गये पोस्टर के माध्यम से चालक को कभी शराब पी कर वाहन नहीं चलाना चाहिए` गाड़ी चलाते समय कभी भी मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए सभी वाहन चालक को सीट बेल्ट और टू-व्हीलर को हेलमेट अवश्य पहनना चाहिए` सड़क पर लगाए गए साइन बोर्ड और यातायात संकेतो का पालन करना चाहिए आदि नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर निदेशक आशीर्वाद दूबे, उप प्राचार्या डॉ. रमा दूबे, डॉ.श्याम सुन्दर मिश्रा, डॉ० नन्द लाल यादव, डॉ० प्रेम कुमार, डॉ. पवन कुमार सिंह ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर डीएम संग एसपी ने सुनी फरियाद, किया निस्तारण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जन समस्याओ के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील सदर में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमे 28 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए और मौके पर 02 का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सातों तहसीलो की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 208 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 22 शिकायत पत्रों का निस्तारण किया गया।

इसी क्रम में तहसील जखनियॉ में तहसीलदर की अध्यक्षता में 19 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 04 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील जमानियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 16 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। मोहम्मदाबाद तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 43 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें मौके 03 का निस्तारण किया गया। तहसील कासिमाबाद में तहसीलदार की अध्यक्षता में 35 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 03 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सेवराई में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 29 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर 03 का निस्तारण किया गया एवं तहसील सैदपुर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 38 प्रार्थना पत्र प्राप्त 05 का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर अधि0अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय सुजित कुमार सिंह द्वारा अनुपस्थित पाये जाने पर स्पष्टीकरण तथा तत्काल वेतन रोकने का निर्देश दिया। इसी क्रम में उन्होने सम्पूर्ण समाधान दिवस मैं प्राप्त प्रार्थना पत्रो का सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अविलम्ब मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए निस्तारण करायी जाय। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही होगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी सदर, परियोजना निदेशक, क्षेत्राधिकारी सदर एवं समस्त जनपदस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

केआईपीएम में वार्षिक उत्सव एवं पुरातन छात्र सम्मेलन के अवसर पर कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

प्रखर पूर्वांचल गोरखपुर। केआईपीएम टेक्निकल केंपस,गीडा गोरखपुर के 15 वे स्थापना दिवस के दूसरे दिन वार्षिक उत्सव एवं पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन कॉलेज के प्रांगण में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। दिनांक 17 फरवरी 2024 दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ए.आई.सी.टी.ई मार्गदर्शक प्रोफेसर डॉ एसपी पांडेय,प्रति कुलपति,कोर यूनिवर्सिटी,रुड़की उत्तराखंड के साथ संस्था के अध्यक्ष श्री आर डी सिंह,सचिव श्री विनोद कुमार सिंह, प्रबंधक महोदया श्रीमती सुनीता सिंह ने दीप प्रज्वलित एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया,। इस अवसर पर कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा कॉलेज का कुल गीत प्रस्तुत किया गया मुख्य अतिथि के सम्मान में संस्था के सचिव श्री विनोद कुमार सिंह द्वारा अभिनंदन पत्र को उपस्थित सभी लोगों के समक्ष पढ़ा गया तत्पश्चात संस्था के अध्यक्ष श्री आर डी सिंह एवं प्रबंधक महोदय श्रीमती सुनीता सिंह ने मुख्य अतिथि को अभिनंदन पत्र एवं कॉलेज के प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया । इस अवसर पर चलने वाले विज्ञान

प्रदर्शनी का मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ एसपी पांडेय ने प्रदर्शनी अवलोकन करने के बाद प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्टॉल की खूब सराहना करते हुए कहा कि केआईपीएम कॉलेज के यह जो छात्र है भारत के विकास में आगे चलकर एक बड़ा योगदान देंगे साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि केआईपीएम कॉलेज को प्रथम प्रयास में इंजीनियरिंग विभाग के एक साथ तीन ब्रांच क्रमशः मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग को एनबीए एक्रीडिटेशन प्राप्त हुआ है साथ में यह भी कहा की आज हम शिक्षा जगत में शिक्षा 4.0 प्रणाली में छात्रों को प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग, प्रोबलम बेस्ड लर्निंग के साथ रिसर्च एवं इनोवेशन पर शिक्षा दे रहे हैं जो छात्रों को रोजगार प्राप्त करने में मददगार साबित होगा । वार्षिक उत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के कवि मिन्नत गोरखपुरी, आशिया गोरखपुरी, सलीम मजहर, प्रेम नाथ मिस्त्र, डॉ सत्यमवदा शर्मा, भावना द्विवेदी ने अपनी कविता और शायरी के माध्यम से छात्र-छात्राओं का मनोरंजन किए। उपरोक्त कार्यक्रम में निदेशक-फामेर्सी डॉ जय नारायण मिश्रा, निर्देशक-एमबीए डॉ जयवीर प्रताप सिंह, निर्देशक-ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट डॉ बी. बी. सिंह, सह निदेशक डॉ पीसी श्रीवास्तव, प्रोफेसर अलक राय, डीन डॉ पुनीत श्रीवास्तव, डॉ आरके पांडे, डॉ दीपक श्रीवास्तव, डॉ अंशुमान, विभागाध्यक्ष डॉ हरेंद्र चौहान, डॉ शाह फतेह आजम, डॉ अजय मौर्या, डॉ धीरेंद्र बहादुर सिंह, श्री डीके विश्वकर्मा, इंजीनियर रंजीत राय, इंजीनियर भास्कर पांडे, इंजीनियर प्रतीक शाही, इंजीनियर विवेक सिंह, श्री संजय गुप्ता, श्री अनूप माथुर, श्रीमती सरिता माथुर, श्रीमती निशा पांडे, श्रीमती ज्योति नायक, मिस अर्चना गुप्ता सहित कॉलेज के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारीगढ़ मौजूद रहे।

तहसील समाधान दिवस में पहुंचे 60 फरियादी, 3 मामले निस्तारित

प्रखर गोरखपुर। सहजनवां तहसील में आयोजित समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे पुलिस अधीक्षक उत्तरी गोरखपुर व उपजिलाधिकारी सहजनवां द्वारा तहसील सहजनवां पर आवेदकों की समस्याएं सुनी गयी एवं त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। 20 फरवरी दिन मंगलवार को तहसील दिवस पर कुल 60 फरियादी अपनी समस्याएं लेकर प्रस्तुत हुए। जिनमें 3 मामलों को तत्काल मौके पर निस्तारित करा दिया गया। जिसमें सबसे अधिक मामले राजस्व और पुलिस विभाग से संबंधित पाए गए। इस अवसर पर अधिकारियों ने जनसमस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जांच और निस्तारित करने का आदेश दिया। । इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज व अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्वांचल स्तरीय सम्मेलन के लिए सोनार समाज ने किया सम्पर्क

पिंडरा। सोनार समाज विकास एसोसिएशन के तत्वावधान में आगामी 3 मार्च को होने वाले पूर्वांचल स्तरीय सोनार समाज का सम्मेलन के सफलता के लिए एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारियों ने मंगलवार को पिंडरा क्षेत्र के विभिन्न बाजारों में समाज से जुड़े लोगों से सम्पर्क किया। सोनार के पदाधिकारी मंगलवार को पिंडरा, फूलपुर, कठिराव, मंगारी, खलिसपुर, कुआर में संपर्क कर 3 मार्च को शास्त्री घाट वरुणापुल के पास आयोजित सम्मेलन में लोगों से पहुचने की अपील की। सम्मेलन के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य होंगे। इस दौरान जिला प्रभारी चंद्रशेखर सेठ, पिंडरा बाजार अध्यक्ष गिरधर सेठ, फूलपुर बाजार अध्यक्ष बबलू सेठ, चंद्रप्रकाश सेठ डब्लू, अजय सेठ, रमेश सेठ, संतोष सेठ, राजू सेठ समेत सोनार समाज के अनेक लोग रहे।

अनामिका मिस फ्रेशर एवं सुनील बने मिस्टर फ्रेशर

प्रखर वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के समाजशास्त्र विभाग में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें मिस फ्रेशर अनामिका सिंह एवं मिस्टर फ्रेशर सुनील सोनकर चुने गए। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. रेखा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अनुशासित एवं संयमित जीवन व्यतीत करते हुए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें सरस्वती वंदना, कविता पाठ, समूह नृत्य आदि की प्रस्तुति की गई। संचालन रामानंद शर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रज्ञा शर्मा ने किया। इस मौके पर में प्रो. ब्रजेश कुमार सिंह, प्रो .अमिता सिंह, प्रो.भारती रस्तोगी, प्रो. तेज बहादुर सिंह, डॉ. जयप्रकाश यादव, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. मनीषा देवी, डॉ. चन्द्रशेखर, डॉ.संजय सोनकर, आकाश सोनकर, आदर्श मोदनवाल, शिखा राय, नासीर, सारीब तहसीन, सानिया शर्मा, रोशनी, वर्षा, शिवम, अभिलाष सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप दो अभियुक्तो को न्यायालय द्वारा दोषी करार देते हुए दी गयी सजा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मंगलवार को मॉनिटरिंग सेल व अभियोजन के प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप थाना मरदह पर पंजीकृत मु0अ0सं0 292/2020 धारा 498अ, 304ब सपठित धारा 34 विकल्पतः 302/34 भादवि व 3/4 डीपी एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में 01 नफर अभियुक्त धनन्जय राजभर पुत्र हरिद्वार राजभर निवासी मटेहूँ थाना मरदह जनपद गाजीपुर के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप धारा 498अ भादवि में 2 वर्ष का सश्रम कारावास व 5000 रुपये के अर्थदण्ड, अर्थदण्ड अदा न करने पर 01 माह का साधारण कारावास, अभियुक्त उपरोक्त को धारा 302 भादवि में आजीवन कारीवास व 30000 रुपये का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड अदा न करने पर 06 माह का कठोर कारावास से दण्डित किया गया। इसी प्रकार थाना बरेसर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 256/2015 धारा 363, 366, 376 भादवि व 4 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में 01 नफर अभियुक्त बबलू राजभर पुत्र परसन राजभर निवासी सिपाह थाना बरेसर जनपद गाजीपुर के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप धारा 4 पाक्सो एक्ट में 10 वर्ष का कारावास व 10000 रुपये के अर्थदण्ड , अर्थदण्ड अदा न करने पर 06 माह का अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया गया।

पाक्सो एक्ट का अपराधी चढ़ा थाना शादियाबाद पुलिस के रडार पर, गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी भुड़कुड़ा के निकट पर्यवेक्षण में सोमवार को थानाध्यक्ष द्वारा मय हमराह कांस्टेबल पियूष प्रताप राव व कांस्टेबल दिनेश कुमार के मु0अ0सं0 23/24 धारा 376 भादवि व 5(एल)/6 पॉक्सो एक्ट थाना शादियाबाद गाजीपुर में वांछित अभियुक्त शमीम सिद्दिकी पुत्र जलाउद्दीन सिद्दिकी निवासी ग्राम हंसराजपुर बभनौली थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर को समय 23.35 बजे नवापुरा चौराहा के पास से गिरफ्तार कर चालान मा0 न्यायालय किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी कमलेश कुमार थाना शादियाबाद, कांस्टेबल पियूष प्रताप राव थाना शादियाबाद, कांस्टेबल दिनेश कुमार थाना शादियाबाद गाजीपुर शामिल रहे।

मां फाउंडेशन के द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज व माधवराव सदाशिव गोलवलकर गुरुजी का मनाया गया जन्मदिन

प्रखर वाराणसी। मां फाउंडेशन के द्वारा आयोजित दो सपूतों के जन्मदिन का आयोजन एक गौरवशाली दिन है छत्रपति शिवाजी महाराज व परमपूज्य माधवराव सदा शिव गोलवलकर गुरुजी का जन्मदिन बांसफाटक स्थित पूर्व पार्षद मनोज सिंह के श्री राम होटल पर मनाया गया। छत्रपति शिवाजी का जन्म संबंधो के हिंदू जीवन पद्धति के हिंदू स्वराज हिंदू जन जागृति का एक स्वर्णिम अध्याय है छत्रपति का संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति संपन्न से परिपूर्ण है वहीं द्वितीय सर संघचालक गुरुजी का जीवन भी राष्ट्र प्रेम हिंदू राष्ट्र अखंड हिंदू राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पित रहा देश में आज जो कश्मीर बचा रहा यह गुरु जी की ही देन है कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमोद यादव (मुन्ना) ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश अध्यक्ष लाल जी गुप्ता ने किया` कार्यक्रम में मुख्य रूप काशी विश्वनाथ के मुख्य पैरोकार डा.सोहन लाल आर्य विश्वेवर नगर संघ चालक सुरजीत मुखर्जी , महिला व्यापार मंडल अध्यक्ष शालिनी गोस्वामी, दयाशंकर गुप्ता ,बाबूलाल मौर्य ,मंजू वर्मा ,अमित सौरभ ,अरविंद चौधरी, सुमन यादव ,गौरी यादव,भावना गुप्ता , मुन्ना लाल यादव , संजय कुशवाहा , विजय गुप्ता, राजेश राठौर , सुषमा सिंह,रश्मि जायसवाल,बबीता चंदेल,वतन कुमार,राजेश गुप्ता ,उषा अग्रवाल, रश्मि जादवानि ,सुनंदा सिंह ,रितु यादव , एडवोकेट धीरेन्द्र गुप्ता, घुटरू यादव , लीलावती सिंह, अंजू गुप्ता, दीपक गुप्ता सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं